Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 206
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00

मंत्र भारत

मंगलवार,24 फरवरी 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

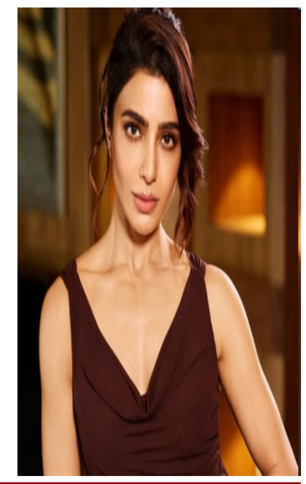

2 होली के रंग, स्वयं सहायता समूह की दीदियों के संग
4 आराम और स्टाइल का बेस्ट कॉम्बिनेशन हैं ये
7 नागा चैतन्य से अलग होने के बाद टूट गई थीं

योगी पहुंचे सिंगापुर,निवेशकों से गुफ्तगू

सीएम योगी ने कौशल प्रशिक्षण प्रस्तुति का किया अवलोकन

■ टेमासेक के चेयरमैन सीएम से मिले, यूपी में निवेश को उत्सुक ■ सिंगापुर में जीआईसी के साथ दीर्घकालिक निवेश पर चर्चा

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के पहले दिन विदेशी निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों से बैठकें कीं। बैठकों में राज्य में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक साझेदारी के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई। पहले दिन मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सिंगापुर की अग्रणी निवेश कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स के चेयरमैन टियो ची हीन और उनकी टीम से मुलाकात की। बैठक में टेमासेक के वैश्विक निवेश पोर्टफोलियो और उत्तर प्रदेश में निवेश पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने टेमासेक को उत्तर प्रदेश में अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, वेयरहाउसिंग, फिनटेक आधारित शहरी विकास व अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। बैठक में टेमासेक की पोर्टफोलियो कंपनी मनिपाल हॉस्पिटल्स द्वारा गाजियाबाद में 500 करोड़ रुपये के निवेश तथा असेंडास द्वारा राज्य में लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग सुविधाओं के विकास हेतु करीब 500 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित जानकारी साझा की गई। निवेश प्रदेश में स्वास्थ्य एवं औद्योगिक अवसंरचना को नई गति देने वाला माना जा रहा है। दोनों पक्षों ने डेटा सेंटर और कौशल विकास जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर सहमति व्यक्त की। यह सहयोग उत्तर प्रदेश की भविष्य उन्मुख अवसंरचना के निर्माण तथा व्यापक रोजगार सृजन की परिकल्पना के अनुरूप होगा, जिससे राज्य को तकनीकी और आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाने में सहायता मिलेगी।सीएम ने निवेशकों के समक्ष यूपी की बेहतर कानून-व्यवस्था, विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी, विकसित हो रहे एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर नीति, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और तेजी से उभरते लॉजिस्टिक्स हब के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उत्तर प्रदेश आज भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और राज्य सरकार उद्योगों को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत पारदर्शी, त्वरित और निवेशक-अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। उम्मीद है कि इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश की नई संभावनाएं खुलेंगी और राज्य को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में गति मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार

सेना ने किश्तवाड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया

जम्मू। सेना ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मारकर क्षेत्र में श्आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया गया और यह बेहद चुनौतीपूर्ण भूभाग में 326 दिन तक चलाए गए सतत संयुक्त अभियान का परिणाम है। रविवार को किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पाकिस्तानी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन सदस्य मारे गए जिनमें संगठन का स्वघोषित कमांडर भी शामिल था। सेना ने बताया कि सैनिकों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में आतंकवादियों का पीछा किया। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, नागरिक और सैन्य खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार मजबूत खुफिया तंत्र के आधार पर व्हाइट नाइट कोर, पुलिस और सीआरपीएफ ने पिछले लगभग एक वर्ष में अलग-अलग अभियानों के दौरान किश्तवाड़ के छात्रू क्षेत्र में सात आतंकवादियों को मार गिराया है। कोर ने इसे क्षेत्र में आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार बताया। इसने कहा, किश्तवाड़ क्षेत्र में 326 दिन तक लगातार और बेहद चुनौतीपूर्ण भूभाग में संयुक्त अभियान चलाया गया, जिनमें जवानों ने कड़ाके की ठंड, बारिश और जमा देने वाले सर्द मौसम के बीच दुर्गम इलाकों में आतंकवादियों का पीछा किया। कई बार मुठभेड़ हुईं। कोर ने कहा, अभियानों में उपग्रह तस्वीरें, सुदूर संचालित विमान प्रणाली और अलग-अलग तरीके के ड्रोन जैसी तकनीकों का लगातार उपयोग किया गया।

सार संक्षेप

हरदोई में 70 लाख की चोरी का खुलासा, मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा

हरदोई ।उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के कोतवाली क्षेत्र में लाखों की चोरी कर फरार हुए दो शातिर लुटेरे सोमवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए। पांच दिन पहले सिंचाई विभाग के प्रशासनिक अधिकारी सुनील जौहरी के बंद पड़े मकान में ज्वेलरी और नकदी पार करने वाले इन बदमाशों को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। यह बदमाश नोएडा में भी कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुके है। इनमे से एक बिहार का तो दूसरा हमीरपुर जिले का रहने वाला है। एक बदमाश पहले भी आगरा में व्यापारी पर जानलेवा हमला कर कार लूट के मामले में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो चुका है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के आजाद नगर में 17-18 फरवरी की रात वारदात को अंजाम दिया गया था ।सिंचाई विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात सुनील जौहरी परिवार समेत बाहर गए थे, जिसका फायदा उठाकर बदमाशों ने पहले दिन में रेकी की और फिर रात में ताला तोड़कर लाखों का माल साफ कर दिया।

लाल किला-दिल्ली असेंबली व सचिवालय समेत दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय, दिल्ली विधानसभा, लाल किला और राष्ट्रीय राजधानी के दो स्कूलों सहित कई संस्थानों को सोमवार को ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली, जिसे बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि दिल्ली सचिवालय, धौला कुआं स्थित दिल्ली आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड स्थित एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को बम की धमकी मिली है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली विधानसभा और उसके अध्यक्ष की आधिकारिक ईमेल आईडी पर सुबह आठ बजे धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। धमकी भरे ईमेल में दल्ली बनेगा खालिस्तान लिखा था और कहा गया था कि अगले तीन दिनों में दिल्ली आर्मी स्कूल, लाल किला और मेट्रो स्टेशनों में विस्फोट होंगे। उनके मुताबिक, इस ईमेल में दावा किया गया था कि दोपहर 1.11 बजे दिल्ली आर्मी पब्लिक स्कूल, दोपहर 3.11 बजे विधानसभा और सुबह 9.11 बजे लाल किले में विस्फोट होगा।

मतदाता सूची से 91 विस्थापित निवासियों के नाम हटाने की जांच करें लखनऊ जिला निर्वाचन अधिकारी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को लखनऊ जिला निर्वाचन अधिकारी को अकबर नगर के उन 91 निवासियों की शिकायतों की जांच करने और उपचारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिनके नाम कथित तौर पर सितंबर 2023 में उनके मकानों को ध्वस्त किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुरू में यह विचार व्यक्त किया था कि याचिकाकताओं के निवास स्थान से संबंधित विवादित तथ्यों से जुड़े मामले पर यहां रिट याचिका के माध्यम से विचार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, पीठ ने सना परवीन और 90 अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर गौर किया और लखनऊ के जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायतों की जांच करने तथा उपचारात्मक उपाय करने का निर्देश दिया। इसने याचिकाकताओं को यह छूट भी दी कि यदि उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी से राहत नहीं मिलती है तो वे इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ से संपर्क कर सकते हैं। याचिकाकताओं ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि वे अपने गणना प्रपत्र बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को जमा करें ताकि सितंबर 2023 के ध्वस्तीकरण अभियान के बाद स्थायी पते के अभाव के बावजूद उनके मतदान के अधिकार को संरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे अकबर नगर के पुराने निवासी हैं जिनके नाम 2002 से ही मतदाता सूचियों में दर्ज हैं और बाद की सूचियों में युवा निवासियों के नाम भी शामिल हैं। हालांकि, क्षेत्र में अवैध निर्माण गिराए जाने के बाद उन्होंने खुद को उत्तर प्रदेश की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से बाहर पाया। याचिकाकताओं ने दावा किया कि उन्हें सूची से बाहर करने का मुख्य कारण यह है कि सरकार द्वारा की गई ध्वस्तीकरण कार्रवाई और उसके बाद की पुनर्वास प्रक्रिया की वजह से वर्तमान में उनके पास पहचान योग्य पते उपलब्ध नहीं हैं।

उनकी ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने पीठ को सूचित किया कि निवासी 2025 की पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान एक विशेष सूची का हिस्सा थे और उनके विस्थापन के कारण उन्हें मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। बहरहाल, पीठ ने तथ्यात्मक सत्यापन का कार्य स्थानीय अधिकारियों को सौंपने की इच्छा व्यक्त की। सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने कहा, हम तथ्यों की जांच के विषय पर विचार कर रहे हैं। उच्च न्यायालय इस मामले पर विचार कर सकता है। न्यायालय ने आदेश में कहा, याचिकाकताओं का दावा है कि वे लखनऊ के अकबर नगर के निवासी हैं... यह दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश की एसआईआर में याचिकाकताओं के नाम इसलिए शामिल नहीं किए गए हैं क्योंकि ध्वस्तीकरण अभियान के बाद उनका कोई पहचान योग्य पता नहीं बचा है। पीठ ने लखनऊ जिला निर्वाचन अधिकारी को याचिकाकताओं के मतदाता सूची में पहले शामिल होने और उनकी वर्तमान स्थिति के संबंध में तथ्यों का पता लगाने का निर्देश दिया।

चिकित्सा पर्यटन के लिए अपने पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहा भारत: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि भारत अपने मंत्रालयों, नियामक प्राधिकरणों, प्रत्यायन एजेंसियों और राज्य सरकारों के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करके चिकित्सा पर्यटन का समर्थन करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर काम कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि सरकार चिकित्सा यात्रा को सहयोग के एक ऐसे माध्यम के रूप में देखती है जो विश्वास पैदा करता है और देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा, शिचकित्सा संबंधी यात्राएं विश्व के साथ भारत की स्वास्थ्य सेवा संबंधी भागीदारी का एक महत्वपूर्ण आयाम हैं। यह हमारी नैदानिक घ्उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित मानकों, पारदर्शी शासन ढांचे और रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के भारत में उच्च कौशल प्राप्त चिकित्सा पेशेवरों और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना की बदौलत हृदय रोग विज्ञान, कर्क रोग विज्ञान, अंग प्रतिरोपण, ऑर्थोपेडिक्स और तंत्रिका विज्ञान सहित कई विशिष्टताओं में उन्नत उपचार उपलब्ध हैं। नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन हितधारकों को आपसी जुड़ाव को गहरा करने और सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने का अवसर प्रदान करेगा।

मोहम्मद दीपक से मिले राहुल गांधी, कोटद्वार जाकर लेंगे जिम की सदस्यता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड में एक मुस्लिम दुकानदार की मदद करने के बाद मोहम्मद दीपक नाम से चर्चा में आए जिम संचालक दीपक कुमार से सोमवार को मुलाकात की और उनसे कहा कि वह उनके जिम की सदस्यता लेंगे। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर हुई इस मुलाकात में कांग्रेस नेता वैभव वालिया, दीपक के दोस्त विजय रावत और कुछ अन्य लोग मौजूद थे। राहुल गांधी ने दीपक की मुलाकात सोनिया गांधी से भी करवाई और उनकी पत्नी से फोन पर बात भी की। मुलाकात के बाद दीपक ने संवाददाताओं से कहा, राहुल जी ने मुझे बुलाया था। उन्होंने मुझे सोनिया जी से भी मिलवाया और मेरी पत्नी से फोन पर बात की। उन्होंने मुझसे कहा कि आपने अच्छा

काम किया है और मैं कोटद्वार आकर आपकी जिम की सदस्यता लूंगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में उनके साथ पदयात्रा करने वाले कांग्रेस नेता वैभव वालिया ने कहा, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से देश भर में मोहब्बत की दुकान खेलने का जो संदेश दिया था, मोहम्मद दीपक ने उसे ही आगे बढ़ाया है। हम राहुल गांधी के आभारी हैं कि उन्होंने इंसानियत और मोहब्बत के लिए खड़े होने वाले उत्तराखंड के एक नौजवान का सम्मान किया। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि उत्तराखंड और पूरे देश में मोहब्बत जीतेगी और नफरत हारेगी। बीते 26 जनवरी को उत्तराखंड के कोटद्वार में कपड़ों की दुकान बाबा का नाम बदलने के लिए दुकान मालिक वकील अहमद पर दबाव बनाने को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ता दुकान के बाहर जमा हो गए थे।

प्रयागराज पुलिस के वाराणसी काशी पहुंचने पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले, कहीं भाग नहीं रहा हूं, आरोपों की निष्पक्ष जांच हो

वाराणसी। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि उन पर कोई आरोप लगाया गया है तो पुलिस उसकी गहन जांच कराए और वे पूरी तरह सहयोग करने को तैयार हैं, ताकि उन पर लगे ह्लकलंकह्व का शीघ्र निस्तारण हो सके। सोमवार को केदारघाट स्थित श्रीविद्या मठ में मीडिया से बातचीत के दौरान शंकराचार्य ने कहा कि उनके खिलाफ ह्लकहानी गढ़करह्व झूठे आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सच सामने आने के लिए पारदर्शी जांच जरूरी है और वे स्वयं

चाहते हैं कि मामले की सच्चाई जल्द उजागर हो। शंकराचार्य ने उत्तर प्रदेश पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता का विश्वास राज्य पुलिस पर कम हो गया है। उन्होंने मांग की कि उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच ऐसे राज्यों की पुलिस से कराई जाए, जहां गैर-भाजपा सरकार हो। उन्होंने कहा, ह्लहम चाहते हैं कि जांच निष्पक्ष हो। यदि अन्य प्रदेशों की पुलिस जांच करेगी तो निष्पक्षता पर कोई सवाल नहीं उठेगा।ह्व उनके इस बयान को राजनीतिक रंग भी दिया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ह्लकालनेमिह्व शब्द का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रयागराज पुलिस ने माघ मेले के दौरान कथित यौन शोषण के आरोप में शंकराचार्य के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पॉक्सो एक्ट बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से संबंधित मामलों में कड़े प्रावधानों वाला कानून है।इस कानून के तहत दर्ज मामलों में पुलिस को विशेष संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई करनी होती है। हालांकि, शंकराचार्य ने इन आरोपों को पूरी तरह असत्य बताया है और कहा है कि जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी। सोमवार सुबह से ही वाराणसी के केदारघाट स्थित श्रीमठ में हलचल देखी गई।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास योजना के तहत 131 परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा की

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को राज्य सरकार की ग्रामीण विकास योजना के तहत परियोजनाओं के लिए 131 प्रस्तावों की समीक्षा की और इसके लिए अतिरिक्त आवंटन की घोषणा की। सावंत ने ग्रामीण विकास विभाग की गोवा ग्राम समृद्धि योजना (जीजीएसवाई) के तहत प्रस्तावों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि इस व्यापक समीक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास राज्य के हर कोने तक पहुंचे। बैठक के दौरान समृद्धि योजना के तहत समान वितरण और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि सभी 40 विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों द्वारा अनुशंसित कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि योजना के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम एक परियोजना का कार्यान्वयन हो। मुख्यमंत्री ने योजना के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने की भी घोषणा की, जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष में मौजूदा 20 करोड़ रुपये के आवंटन के अलावा अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया गया ।

सुप्रीम कोर्ट प्रदूषण पर सख्त, कोयला वाले उद्योग एनसीआर से दूर होंगे, 300 किमी के दायरे में पावर प्लांट नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने केंद्र सरकार, संबंधित मंत्रालयों और एनसीआर के राज्यों को कई अहम निर्देश जारी करते हुए विभिन्न प्रदूषण स्रोतों पर विस्तृत जवाब तलब किया है। कोर्ट ने विशेष रूप से कोयला आधारित उद्योगों, निर्माण और तोड़फोड़ के दौरान उड़ने वाली धूल, तथा वाहनों से होने वाले प्रदूषण को लेकर उठाए गए कदमों का ब्योरा मांगा है। साथ ही यह भी पूछा है कि भविष्य में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति क्या होगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। पीठ ने स्पष्ट किया कि 12 मार्च को वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण के मुद्दे पर विशेष रूप से सुनवाई की जाएगी। अदालत ने कहा कि यह जांचना जरूरी है कि गाड़ियों से निकलने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए अब तक क्या ठोस कदम उठाए गए हैं और उनकी प्रभावशीलता क्या रही है। दिल्ली-एनसीआर में भवन निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों से उड़ने वाली धूल को प्रदूषण का एक बड़ा कारण माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों पर सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए बनाए गए नियमों का पालन किस हद तक हो रहा है, इसकी जानकारी दी जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि निगरानी तंत्र कितना प्रभावी है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा विद्युत मंत्रालय से उस सुझाव पर जवाब मांगा है, जिसमें दिल्ली से 300 किलोमीटर के दायरे में कोई नया कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट स्थापित न करने की बात कही गई थी। अदालत ने पूछा है कि इस सुझाव पर केंद्र सरकार का रुख क्या है और क्या इस दिशा में कोई नीति बनाई गई है। इसके अलावा कोर्ट ने केंद्र सरकार के मंत्रालयों को निर्देश दिया है कि वे एनसीआर के भीतर मौजूद कोयला आधारित उद्योगों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

होली के रंग, स्वयं सहायता समूह की दीदियों के संग –लखपति दीदी बनने की नई उड़ान

लखनऊः उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निदेशों के क्रम मे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) द्वारा होली पर्व के अवसर पर स्वयं सहायता समूह (SHG) की दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन एवं बिक्री को बढ़ावा देने हेतु विशेष राज्यव्यापी अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत गुलाल/अबीर, पापड़, चिप्स, मिठाइयाँ, अगरबत्ती, हस्तशिल्प सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों की बिक्री को प्रोत्साहित किया जा रहा है। श्री मौर्य के निदेर्शानुसार सभी जनपदों में विकास भवन, कलेक्ट्रेट, तहसील एवं अन्य शासकीय परिसरों में SHG उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री काउंटर स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही जिला प्रशासन, नगर निकायों एवं संबंधित विभागों के सहयोग से संस्थागत एवं सामूहिक खरीद को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इस विशेष पहल के अंतर्गत राज्य स्तर पर रू 5 करोड़ की बिक्री का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे हजारों स्वयं सहायता समूह की दीदियों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। सभी जनपदों को निर्देशित किया गया है कि वे उत्पादों का विवरण, बिक्री स्थल, संपर्क संख्या एवं प्रतिदिन की बिक्री प्रगति ऋ्ल्लङ्क्ष्री रीं३ पर नियमित रूप से अपडेट करें, ताकि राज्य स्तर पर सतत निगरानी एवं समीक्षा सुनिश्चित की जा सके। अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह की दीदियां प्राकृतिक संसाधनों से हर्बल गुलाल/अबीर भी तैयार कर रही हैं। इन रंगों को पलास के फूल, चुकंदर, गेंदे के फूल, पालक के रस आदि प्राकृतिक तत्वों से बनाया जा रहा है। यह गुलाल पूरी तरह केमिकल-फ्री है तथा त्वचा को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाता। रल्क्ष्ृ दीदियों द्वारा निर्मित यह हर्बल गुलाल पूर्णतः सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल है। यह पहल स्वयं सहायता समूह की दीदियों को ह्लखपति दीदीह्व के लक्ष्य से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पर्व आधारित बिक्री, स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग एवं संस्थागत विपणन के माध्यम से महिलाओं की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है, जिससे SHG दीदियां आर्थिक रूप से सशक्त होकर लखपति बनने की ओर अग्रसर हो रही हैं। मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजी मिशन ने कहा कि होली जैसे प्रमुख पर्व पर स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। यह अभियान ह्लवोकल फॉर लोकलह्व की भावना को मजबूत करते हुए ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु उत्तर रेलवे पर लखनऊ मण्डल के ब्लाक हट बी-व्यासनगर-काशी के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग का प्रावधान किये जाने के कारण गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-आरा से 26 फरवरी,2026 को चलने वाली 63229 आरा-बनारस मेमू गाड़ी दीनदयाल उपाध्याय जं0 स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी।

-बनारस से 26 फरवरी,2026 को चलने वाली 63230 बनारस-आरा मेमू गाड़ी दीनदयाल उपाध्याय जं0 स्टेशन से चलाई जायेगी।

मार्ग परिवर्तन-

-बनारस से 27 फरवरी,2026 को चलने वाली 18524 बनारस-विशाखापत्तनम द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी-दीन दयाल उपाध्याय जं0 के स्थान पर परिवर्तित मार्ग प्रयागराज जं0-चुनार-दीनदयाल जं0 के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी एवं काशी स्टेशनों पर नही रहेगा।

-सूरत से 25 फरवरी,2026 को चलने वाली 19045 सूरत-थावे एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी-जफराबाद-जौनपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चुनार-प्रयागराज जं0-फाफामऊ- जंघई-जौनपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव काशी एवं वाराणसी स्टेशनों पर नही रहेगा।

-गोंडिया से 25 फरवरी,2026 को चलने वाली 15232 गोंडिया-बरौनी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग चुनार-वाराणसी-जफराबाद-जौनपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चुनार-प्रयागराज जं0-फाफामऊ- जंघई-जौनपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी स्टेशन पर नही रहेगा।

-दानापुर से 26 फरवरी,2026 को चलने वाली 12792 दानापुर-सिकन्दराबाद एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग दीनदयाल उपाध्याय जं0-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज जं0-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग दीनदयाल उपाध्याय जं0-मिजार्पुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी, भूलनपुर, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग एवं प्रयागराज जं0 स्टेशनों पर नहीं रहेगा।

गोरखपुर से 04 मार्च से 01 अप्रैल, 2026 को प्रत्येक बुधवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रषासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु 08629/08630 रांची-गोरखपुर-रांची साप्ताहिक होली विषेष गाड़ी का संचलन रांची से 02 से 30 मार्च, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को तथा गोरखपुर से 04 मार्च से 01 अप्रैल, 2026 को प्रत्येक बुधवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 08629 राँची-गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 02 से 30 मार्च, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को राँची से 23.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन मूरी से 01.25 बजे, बोकारो स्टील सिटी से 02.55 बजे, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो से 04.35 बजे, कोडरमा से 05.35 बजे, गया से 07.05 बजे, अनुग्रह नारायण रोड से 07.50 बजे, डेहरी ऑनसोन से 08.10 बजे, सासाराम से 08.28 बजे, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. से 11.00 बजे, वाराणसी से 12.10 बजे, जौनपुर से 14.10 बजे, औंड़िहार से 15.20 बजे, मऊ से 17.15 बजे, सलेमपुर से 19.07 बजे, भटनी से 19.34 बजे तथा देवरिया सदर से 20.05 बजे छूटकर गोरखपुर 21.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 08630 गोरखपुर-राँची साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 04 मार्च से 01 अप्रैल, 2026 को प्रत्येक बुधवार को गोरखपुर से 00.50 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 02.02 बजे, भटनी से 02.40 बजे, सलेमपुर से 02.57 बजे, मऊ से 03.35 बजे, औंड़िहार से 04.47 बजे, जौनपुर से 06.15 बजे, वाराणसी जं. से 08.20 बजे, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. से 09.30 बजे, सासाराम से 10.37 बजे, डेहरी ऑनसोन से 10.55 बजे, अनुग्रह नारायण रोड से 11.12 बजे, गया से 13.30 बजे, कोडरमा से 14.47 बजे, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो से 16.25 बजे, बोकारो स्टील सिटी से 17.50 बजे तथा मूरी से 19.25 बजे छूटकर राँची 20.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 07, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04731/04732 श्री गंगानगर जं.-समस्तीपुर-श्री गंगानगर जं. वाया गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन श्री गंगानगर जं. से 01 से 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को तथा समस्तीपुर से 03 से 31 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04731 श्री गंगानगर जं.-समस्तीपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 01 से 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को श्री गंगानगर जं. से 13.25 बजे प्रस्थान कर सादुलशहर से 13.49 बजे, हनुमानगढ़ से 14.30 बजे, संगरिया से 14.57 बजे, मंडी डबवाली से 15.30 बजे, रामां से 17.12 बजे, सिरसा से 18.05 बजे, मंडी आदमपुर से 18.44 बजे, हिसार से 19.55 बजे, हांसी से 20.40 बजे, रोहतक से 22.40 बजे दूसरे दिन दिल्ली से 00.35 बजे, गाजियाबाद से 01.29 बजे, मुरादाबाद से 04.27 बजे, बरेली से 05.49 बजे, सीतापुर से 09.00 बजे, बुढ़वल से 10.40 बजे, गोंडा से 12.05 बजे, बस्ती से 13.20 बजे, गोरखपुर 14.40 बजे, देवरिया सदर से 15.55 बजे, सीवान से 17.05 बजे, छपरा से 18.15 बजे, सोनपुर से 19.12 बजे, हाजीपुर से 19.27 बजे तथा मुजफ्फरपुर से 21.20 बजे छूटकर समस्तीपुर 23.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04732 समस्तीपुर-श्री गंगानगर जं. साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 03 से 31 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को समस्तीपुर से 01.00 बजे प्रस्थान कर मुजफ्फरपुर 02.15 बजे, हाजीपुर से 03.15 बजे, सोनपुर से 03.27 बजे, छपरा से 04.55 बजे, सीवान से 06.00 बजे, देवरिया सदर से 07.10 बजे, गोरखपुर से 08.25 बजे, बस्ती से 09.37 बजे, गोंडा से 10.50 बजे, बुढ़वल से 12.02 बजे, सीतापुर से 13.50 बजे, बरेली से 18.02 बजे, मुरादाबाद से 19.55 बजे, गाजियाबाद से 22.57 बजे, दिल्ली से 23.50 बजे, दूसरे दिन रोहतक से 02.00 बजे, हांसी से 03.50 बजे, हिसार से 04.30 बजे, मंडी आदमपु? से 04.57 बजे, सिरसा से 05.55 बजे, रामां से 06.42 बजे, मंडी डबवाली से 08.17 बजे, संगरिया से 08.52 बजे, हनुमानगढ़ से 09.30 बजे तथा सादुलशहर से 10.02 बजे छूटकर श्री गंगानगर जं. 12.20 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 11, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

कम सामान के साथ यात्रा करें तथा उचित टिकट लेकर यात्रा करें

गोरखपुर, रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्री जनता की सुखद, सुरक्षित एवं सुविधापूर्ण यात्रा हेतु व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। इस हेतु रेलवे सुरक्षा, वाणिज्य कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों को मुस्तैद किया गया है। गाड़ियों एवं प्लेटफार्मों पर निगरानी बढ़ाया गया है तथा यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा टेज्नों एवं रेल परिसरों में असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाई करने के लिये टास्क टीम का गठन किया गया है। अवैध शराब, ज्वलनशील पदार्थ, जेब कतरों, यात्री सामानों की चोरी करने वालो, नशीली दवाओं के सेवन, असामाजिक तत्वों एवं टिकट दलालों के विरूद्ध कड़े अभियान चलाये जा रहे हैं। राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल तथा वाणिज्य कर्मियों द्वारा समन्वय बनाकर भीड़ नियंत्रण का कार्य किया जा रहा है। विशेष रूप से महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिये टेज्नों एवं स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल की महिला बल कर्मियों की तैनाती की गयी है। संदिग्ध लोगों पर निगरानी के लिये रेलवे परिसर में रेलवे सुरक्षा बल के एस.आई.बी एवं सी.आई.बी कर्मियों को सादे कपड़ों में तैनात किया गया है। महत्वपूर्ण टेज्नों एवं साधारण कोचों में विडियोग्राफी और फोटोग्राफी करायी जा रही है तथा डाग स्क्वायड की तैनाती की गयी है। पैदल उपरिगामी पुलों पर भीड़ नियंत्रण हेतु राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल तैनात किये गये हैं। सी.सी.टी.वी. नियंत्रण कक्ष से सतत निगरानी की जा रही है तथा सुरक्षा इकाईयों से समन्वय स्थापित कर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। रेलवे प्रशासन का यात्रियों से अनुरोध है कि वे अधिकृत वेंडर से खानपान की वस्तुएं खरीदें, अन्य यात्री द्वारा दिया गया खाद्य पदार्थ स्वीकार न करें, प्रतिबंधित सामान लेकर यात्रा न करें, कम सामान के साथ यात्रा करें तथा उचित टिकट लेकर यात्रा करें।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद का विदेश दौरा :जर्मनी में निवेश संवाद को नई गति

लखनऊ : देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की उत्तर प्रदेश में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के प्रवास के दौरान विभिन्न औद्योगिक एवं शासकीय प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण बैठकें कीं। प्रतिनिधिमंडल ने सुश्री Silke Sichter (ZVEI ग्लोबल अफेयर्स एंड इकोनॉमिक्स, इंडो-पैसिफिक एवं चाइना अफेयर्स) तथा श्री Markus Schyboll, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, EA Elektro Automatik GmbH से भेंट कर सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत-जर्मनी सहयोग को सशक्त बनाने पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश को एक उभरते वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए Siemens NXP Semiconductors के विस्तार, बढ़ते निवेशक विश्वास तथा भारत के विशाल उपभोक्ता आधार को रेखांकित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण आयोजनों में सहभागिता सहित दीर्घकालिक औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने का आमंत्रण दिया। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडल ने Frankfurt Airport क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, केल्स्टरबाख एवं राउनहाइम के महापौरों तथा इनोवेशन राइनमाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से भेंट की। बैठक में फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट एवं ठड्ढ्री क्ल्लङ्री९ल्लं३ड्डल्लं' अ१स्त्रड्ढ१३ के मध्य सहयोग, लॉजिस्टिक्स, डाटा सेंटर, नवाचार एवं औद्योगिक विकास जैसे विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग को औपचारिक रूप देने हेतु समझौता ज्ञापन (ट्ड्डव) पर सहमति व्यक्त की तथा जर्मन औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल के उत्तर प्रदेश दौरे को सुगम बनाने और दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी विकसित करने का निर्णय लिया।प्रतिनिधिमंडल ने ल्ली२ील्ल राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल से भी भेंट की, जिसका नेतृत्व राज्य सचिव सुश्री डं४ल्ल टौ''ी१ ने किया। बैठक में द्विपक्षीय सहयोग एवं निवेश के अवसरों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। उत्तर प्रदेश की निवेशक-अनुकूल एफडीआई नीति तथा मेडिकल डिवाइस, वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, सेमीकंडक्टर, रक्षा, आईटी/आईटीईएस, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (ऋ्छ३२) एवं 660+ मेगावाट क्षमता वाले डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में राज्य की क्षमताओं को रेखांकित किया गया। वहीं, हेसेन की वित्त, रसायन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में वैश्विक विशेषज्ञता को भी सराहा गया। दोनों पक्षों ने क्षेत्र-विशिष्ट साझेदारियों को आगे बढ़ाने, विशेषज्ञ स्तर की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा राज्य-से-राज्य दीर्घकालिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए आगामी बैठकों पर सहमति व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम विशेष रूप से टेक्सटाइल, अपैरल और लेदरः इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टरः ग्रेटर नोएडा स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क मल्टी-लोकेशन केमिकल एवं फार्मा पार्क तथा डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत रक्षा एवं एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में जर्मन उद्योगों का स्वागत करते हैं, जहाँ समग्र रूप से दर्जनों बिलियन डॉलर के निवेश अवसर उपलब्ध हैं और उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित साझेदारी की व्यापक संभावनाएँ हैं। बताया कि उत्तर प्रदेश सेवा क्षेत्र में भी तेजी से उभर रहा है एवं क्ळएर नीति के तहत प्रमुख वैश्विक कंपनियाँ संचालन कर रही हैं। राज्य में विकसित हो रहे डेटा सेंटरों की क्षमता बढ़ी है।विशेष उल्लेखनीय है ऋ्छ३ नीति 2024 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए समर्पित नीति, जो अनुसंधान एवं विकास, उच्च कौशल मानव संसाधन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और पूंजीगत प्रोत्साहनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश को भारत का अग्रणी ऋ्छ३ गंतव्य बना रही है। जर्मन कंपनियों के लिए यह लागत प्रभावी और प्रतिभा-समृद्ध विकल्प है।भारत और यूरोप के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौता (FTA) एक ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करता है। भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।उत्तर प्रदेश - भारत का सबसे बड़ा राज्य, सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा टरटए आधार झ्र जर्मन उद्योगों के लिए एक स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बन सकता है। श्री मौर्य ने कहा कि हम विशेष रूप से जर्मन कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश, संयुक्त उपक्रम और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए आमंत्रित करते हैं। यह केवल व्यावसायिक अवसर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक, स्थायी और रणनीतिक साझेदारी की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा।

होली का जश्न मनाने को सज रहे बाजार मिलावट खोर भी तैयार

कानपुर। मिलावटी खोया इटावा, औरैया, हमीरपुर, घाटमपुर, फरुर्खाबाद जिलों से ट्रेनों, बसों के जरिए लाया जाता है। होली में मिलावट खोर सक्रिय हो गए हैं। पिछले वर्षों में जांच में महानगर में खोया में रिफाइंड आयल, खड़िया पाउडर और मिल्क पाउडर की मिलावट पाई गई थी। इस बार भी बड़े पैमाने पर मिलावटी खोया का कारोबार चल रहा है। एक दिन पहले ही 54 लाख से रुपये का मिलावट खाद्य पदार्थ पकड़ा गया। खाद्य विभाग के आयुक्त संजय प्रताप सिंह ने बताया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ टीम बनाकर जांच कराई जा रही है। महानगर में इटावा, औरैया, हमीरपुर, घाटमपुर, फरुर्खाबाद से ट्रेनों और बसों लाया जाता है। कानपुर में हटिया और फजलगंज खोया मंडी बड़ी मानी जाती हैं। वहीं, दुकानों पर बिकने वाला खोया दुकानदार अपने तरीके से बनाकर और मंगाकर बेचते हैं। पता चला है कि इस बार भी बड़ी मात्रा में मिलावटी खोया तैयार किया जा रहा है। कलक्टरगंज की खोया मंडी में 300 से 430 रुपये किलो तक बिक रहे खोया की गुणवत्ता भी जांच के दायरे में है। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में संकेत मिले हैं कि कुछ दुकानों पर कचरी को आकर्षक बनाने के लिए ऐसे रंगों का प्रयोग किया जा रहा है जो खाद्य मानकों के अनुरूप नहीं हैं। देखने में चमकदार और सुंदर लगने वाली यह कचरी सेहत पर असर डाल सकती है। चिकित्सकों के अनुसार ऐसे रंग पेट और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ा सकते हैं। खाद्य विभाग का मानक है कि कचरी और चिप्स जैसे खाद्य पदार्थों में रंग की मात्रा 100 पीपीएम होनी चाहिए। एक पीपीएम का अर्थ है किसी पदार्थ का एक भाग पानी के दस लाख भागों में मिलाना। इसी तरह रमजान में बड़ी संख्या में एक्सपाइरी खजूर पाया गया है। खाद्य विभाग के अनुसार, खजूर का कारोबार करने वाले अपने बचे हुए सामान को अक्सर कोल्ड स्टोरेज में भी रखवा देते हैं। एक बार का रखा हुआ खजूर कई-कई रमजान में बेचा जाता है। पाम ऑयल मिलाकर बेचा जा रहा रिफाइंड तेल नयागंज के व्यापारियों का कहना है कि कई जिलों से नकली खाद्य तेल गुप्त तरीके से सप्लाई किया जाता है। हाल की कार्रवाई में पाम ऑयल की मिलावट कर रिफाइंड के नाम पर तेल बेचने के मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने त्योहारों तक अभियान जारी रखने और उपभोक्ताओं से खरीदारी में सतर्कता बरतने की अपील की है।

प्रेशर कुकर से सिर कूंचकर पत्नी को मार डाला पति

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले में पति ने प्रेशर कूकर से सिर कूंचकर पत्नी को मार डाला। रात भर सोता रहा फिर सुबह रुई पट्टी लगाकर चोट का दिखावा करने लगा। मिजार्पुर जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र के रैबना स्थित पहाड़ी पर होमगार्ड कार्यालय के सामने शनिवार रात को नशे में धूत कपूरचंद्र ने खाना न बनाने पर पत्नी रीता विश्वकर्मा (48) उर्फ चंदा का प्रेशर कूकर से सिर कूंचकर हत्या कर दी। इसके बाद वहीं पर खुद भी नशे में सो गया। सुबह उठने पर पत्नी को मृत देखा तो सिर पर पट्टी और रुई लपेटकर चोट लगने का नाटक करने लगा। आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी कपूरचंद्र को गिरफ्तार कर लिया। क्या है पूरा मामला कटरा कोतवाली क्षेत्र के संगमोहाल

निवासी कपूरचंद्र की शादी 28 वर्ष पहले संगमोहाल निवासी रीता विश्वकर्मा से हुई थी। कपूरचंद एबीसी कंपनी में सूत धुलाई का कार्य करता है। वह पिछले 10 वर्ष से रैबना पहाड़ी पर झोपड़ी बनाकर रह रहा था। शनिवार की रात को शराब के नशे में घर आया। खाना न बना होने पर पति-पत्नी में विवाद होने लगा। विवाद के दौरान पति कपूरचंद्र ने घर में रखे प्रेशर कुकर से पत्नी चंदा के सिर पर कई वार किए। वह लहूलुहान हो गई। उसका सिर कूंच दिया। खुद नशे में कमरे में ही सो गया। रात भर में रक्त बहने से चंदा की मौत हो गई। सुबह उठने पर कपूरचंद्र ने पत्नी को मृत देख रुई और पट्टी उसे सिर पर बांध कर चोट लगने का नाटक करने लगा। शोर सुनकर अन्य लोग आए। लोगों को आशंका हुई। रात को भी दोनों के बीच विवाद होने पर आसपास के लोगों को पता चला था। सूचना पर कटरा कोतवाली और देहात कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंची। एएसपी सिटी नितेश सिंह, सीओ सिटी विवेक जावला, कटरा कोतवाल वैद्यनाथ सिंह, देहात कोतवाल अमित मिश्रा ने फिल्ड यूनिट टीम के साथ जांच पड़ताल की। कमरे में चौकी और जमीन पर काफी मात्रा में खून गिरा था। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। सूचना पर मृतका के भाई राकेश विश्वकर्मा मौके पर पहुंचा। बताया कि शराब के नशे में विवाद होता रहता था। नशे में उसकी बहन की हत्या कर दी। पुलिस भाई की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुटी है। कमरे में जम गया था खून रैबना पहाड़ी पर तीन से चार लोग झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। कपूरचंद्र की झोपड़ी किनारे है। झोपड़ी में एक कमरे में सोने के लिए तख्त और किचन का सामान है। कमरे में तख्ते पर और उसके नीचे काफी खून गिरा था। खून जम गया था। इससे लग रहा था कि रात भर सिर से खून गिर रहा था। होमगार्ड कार्यालय के सामने की घटना, रात को पता नहीं चला रैबना पहाड़ी के सामने ही होमगार्ड कार्यालय है। रात के समय तो वहां सन्नाटा हो जाता है। इसके बाद भी रात को जब पति ने पत्नी के सिर पर हमला किया तो न तो आस-पास के लोगों को पता चला न होमगार्ड कार्यालय को जानकारी हो सकी। जबकि रात के समय वहां कोई न कोई रहता है। दिन में सब ठीक था चंदा के भाई राकेश ने बताया कि शनिवार की सुबह कपूरचंद्र की बहन की मौत होने पर सब मिश्र लहौली गए थे। वहां पर बहन चंदा से फोन पर बात हुई थी। उस समय सब ठीक था। रात को शराब के नशे में हमला कर दिया। दपंती के बीच हर दिन होता था विवाद कटरा कोतवाल वैद्यनाथ सिंह ने बताया कि शराब के नशे में पति-पत्नी में प्रतिदिन विवाद होता रहता था। पति शराब पीकर आता और पत्नी के मना करने पर दोंनों में विवाद होता रहता था। शनिवार को भी शराब के नशे में विवाद हुआ। क्या बोले अधिकारी रैबना पहाड़ी पर कपूरचंद्र ने पत्नी की सिर कूंचकर हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल की। कपूर चंद्र को पकड़ लिया गया है। मृतका के भाई की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

गोधन समागम में जुटे हजारों किसान,पशुधन मंत्री ने किसानों को किया सम्मानित

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आज ह्मगोधन समागम 2026 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दुग्धशाला विकास विभाग और पशुधन एवं पशुपालन विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम में करीब 1000 किसान सीधे मौजूद रहे, जबकि प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजकीय पेंशन मंत्री धर्मपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने नंद बाबा और गोकुल पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रदेश की अच्छी तरह संचालित हो रही गोशालाओं और गोआश्रय स्थलों को भी प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार दिए गए। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गोपालकों और पशुपालकों को मजबूत बनाने के लिए लगातार नई योजनाएं चला रही है, ताकि गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि स्वदेशी गायों का संरक्षण आज समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर गांव में पशुपालन मजबूत होगा तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपने आप मजबूत होगी।

भगवान चित्रगुप्त न्यायप्रिय देव, आराधना से मिटते हैं संकट

■चित्रगुप्त धाम में प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई

■ ग्वालियर

दौलतगंज स्थित चित्रगुप्त धाम सर्व देव मंदिर में भगवान चित्रगुप्त एवं समस्त देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। धार्मिक आयोजन में सुंदरकांड पाठ, चित्रगुप्त चालीसा, हनुमान चालीसा एवं समस्त देवताओं की आरती के साथ भगवान चित्रगुप्त की महाआरती की गई। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले न्यायप्रिय देव हैं। उनकी आराधना मात्र से मनुष्य के कष्ट दूर होते हैं और जीवन में सद्बुद्धि का संचार होता है। उन्होंने समाज को संगठित रहकर धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी एवं शाम को विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरा परिसर भक्ति और उत्साह के माहौल से सराबोर रहा।

फरवरी में जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ वालों का हुआ सम्मान

मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में फरवरी माह में जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ वाले कायस्थ बंधुओं के लिए विशेष कार्यक्रम रखा गया। सचिव अरुण कुलश्रेष्ठ ने बताया कि समाज में पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने के उद्देश्य से सामूहिक उत्सव की परंपरा शुरू की गई है। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में सुनीता विजय सक्सेना, संध्या सतीश श्रीवास्तव, मीनू संजय सक्सेना, सीमा भीकम श्रीवास्तव, मोनिका अंशुमन श्रीवास्तव सहित अन्य परिवार उपस्थित रहे।

चित्रगुप्त धाम पर हुई महाआरती और यज्ञ

माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम के समीप स्थित चित्रगुप्त धाम पर हर महीने के चौथे रविवार को महाआरती एवं हवन यज्ञ का आयोजन किया जाता है। मंदिर संस्थापक पवन भटनागर एवं नूतन श्रीवास्तव ने बताया कि यह महीने की 34वीं आरती थी, जिसमें बड़ी संख्या में कायस्थ बंधु शामिल हुए। इस मौके पर भगवान चित्रगुप्त चालीसा एवं महा आरती एवं हवन यज्ञ हुआ। इस अवसर पर प्रदीप भटनागर, महेश श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश सक्सेना, राजू भटनागर आदि मौजूद थे।

झंग बिरादरी की रामलीला 27 से व्यापारी निभाएंगे भूमिकाएं

आदर्श रामलीला समिति (झंग बिरादरी) की ओर होली के पर्व पर होने वाली रामलीला का मंचन इस बार 27 फरवरी से 4 मार्च तक किया जाएगा। श्री आदर्श रामलीला समिति के अध्यक्ष हरिओम नागपाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि विभाजन में भले ही सब कुछ पीछे छूट गया, लेकिन राम का साथ और हमारे पूर्वजों के संस्कार आज भी जीवित हैं। पूर्वजों की ओर से रोपा गया रामलीला रूपी पौधा आज एक विशाल छायादार वृक्ष बन चुका है जो न केवल झंग बिरादरी बल्कि पूरे ग्वालियर के लिए आस्था का केंद्र है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह रामलीला अविभाजित भारत के जिला झंग (रसीदपुर) से शुरू हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे और कुसंगति से बचाकर अच्छे संस्कार देना था। ग्वालियर में इस रामलीला की अनूठी विशेषता यह है कि यहां होली के पर्व पर दीपावली जैसा दृश्य होता है। भगवान राम के चल समारोह के दौरान पूरी कॉलोनी में दीप जलाए जाते हैं और आतिशबाजी होती है। पंजाबी सेवा समिति के अध्यक्ष मोहनलाल अरोड़ा और भरत कथूरिया ने बताया कि रामलीला में पात्र निभाने वाले कलाकार, जिनमें कई बड़े व्यापारी हैं, पूरी तरह निःशुल्क सेवा देते हैं। यहां तक कि कई लोग जो अब विदेश में बस चुके हैं, वे भी अपनी भूमिका निभाने प्रतिवर्ष ग्वालियर आते हैं। यह स्थल मनौतियों के लिए प्रसिद्ध है, जहां श्रद्धालु अपनी मन्नत पूरी होने पर दरबार में हाजिरी लगाते हैं।

एमएलबी कॉलेज के विद्यार्थियों ने झुग्गियों के बच्चों को किया शिक्षित

ग्वालियर। शिक्षा किसी राष्ट्र की उन्नति का मूल स्तंभ होता है। किशोरावस्था और युवावस्था में प्राप्त ज्ञान को आचरण में लाने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत इंटर्नशिप की अवधारणा को स्थान दिया गया है। महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ और सेवार्थ जन कल्याण समिति के बीच संपन्न समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत महाविद्यालय में अध्यनरत स्नातक के छात्र-छात्राओं ने सेवार्थ पाठशाला के विभिन्न केन्द्रों पर जाकर वंचित एवं शोषित वर्ग के बच्चों को अध्यापन कार्य के द्वारा सशक्त एवं उनके व्यक्तित्व को परिमार्जित करने का प्रयास किया। रविवार को 20 छात्र- छात्राओं को सेवार्थ जन कल्याण समिति के द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। एमएलबी के विद्यार्थियों ने 15 दिन तथा एमिटी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने 40 दिन की अवधि का इंटर्नशिप पूर्ण किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महारानी लक्ष्मी बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि एमिटी विश्वविद्यालय से डॉ.कुलदीप द्विवेदी थे।

यादव ने की भोपाल किसान रैली सफल बनाने की अपील

ग्वालियर। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापारिक समझौते के खिलाफ कांग्रेस द्वारा 24 फरवरी को भोपाल में जवाहर चौक पर विशाल रैली का आयोजन किया जा रहा है। जिसे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संबोधित करेंगे। इसे लेकर कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने कांग्रेस नेताओं से भोपाल पहुंचकर रैली को सफल बनाने की अपील की है। श्री यादव ने सहकारिता प्रकोष्ठ, किसान, युवक कांग्रेस,एनएसयूआई, सेवा दल, महिला कांग्रेस, पूर्व विधायक आदि से भोपाल रैली को सफल बनाने की अपील की है।

रामकृष्ण मिशन आश्रम में आध्यात्मिक शिविर, 130 भक्तों ने लिया भाग

ग्वालियर। रामकृष्ण मिशन आश्रम में श्री रामकृष्ण देव की जन्मतिथि पूजा के उपलक्ष्य में रविवार को अर्ध-दिवसीय आध्यात्मिक शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 130 भक्तों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ त्रिदेवों की पूजा एवं स्वामी योगगम्यानन्द के स्तोत्र-पाठ से हुआ। इसके पश्चात आश्रम के सचिव महाराज द्वारा मधुर भजन प्रस्तुत किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके अलावा पंडित उत्कर्ष सेंगर ने संगीतमय सुंदरकांड कथा का भावपूर्ण वाचन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों को प्रेमपूर्वक भोजन-प्रसाद वितरित किया गया।

छह माह का कार्यकाल पूर्ण होने पर यादव का स्वागत

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के कार्यकाल के छह माह पूर्ण होने पर रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कांग्रेस नेताओं ने संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर लगातार सक्रिय नेतृत्व के लिए जिला अध्यक्ष का अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व महामंत्री डॉ. सौरभ सिंह ने अपने साथियों प्रशांत उपाध्याय एवं अंशु गुप्ता के साथ कांग्रेस की विचारधारा में आस्था व्यक्त की। श्री यादव ने कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता दिलाई।

माधव महाविद्यालय के विद्यार्थियों का ओरछा में शैक्षणिक भ्रमण

ग्वालियर। माधव महाविद्यालय के भूगोल विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का एक दिवसीय भौगोलिक शैक्षणिक भ्रमण मध्यप्रदेश के निवाड़ी जिले स्थित ऐतिहासिक नगर ओरछा में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने राम राजा मंदिर, ओरछा, जहांगीर महल, ओरछा, ओरछा किला सहित प्रमुख स्थलों का अवलोकन किया। साथ ही बुंदेलखंड की जीवन रेखा कही जाने वाली बेतवा नदी के प्रवाह एवं अपरदन प्रक्रिया का अध्ययन किया। भ्रमण दल का नेतृत्व भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेम सिंह एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश करहेरिया ने किया। विद्यार्थियों ने ओरछा के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक महत्व को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।

मास्टर ट्रॉफी में सुपर स्टार थाटीपुर बना विजेता

खेल से होता है आत्मविश्वास का विकास : डॉ. रवि अंबे

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय में खेली गई मास्टर ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में सुपर स्टार थाटीपुर ने पावर हिटर मुरार को हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य डॉ. रवि अंबे थे। अध्यक्षता मानव रचना शिक्षा समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कपिल भार्गव तथा बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋचा अंबे थीं।

टूर्नामेंट संयोजक बसंत सिंह राठौर ने बताया कि पावर हिटर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 93 रन का स्कोर बनाया। जवाब में खेलने उतरी सुपर स्टार ऑलआउट हो गई। इससे पहले स्टाइकर डीडी नगर और सुपर स्टार थाटीपुर के मध्य पहला सेमीफाइनल खेला गया, जिसे सुपर स्टार ने एकतरफा जीत लिया। दूसरा मैच फाइटर मुरार और पावर हिटर मुरार के बीच हुआ, जिसमें कांटे की टक्कर ने पावर हिटर ने जीत दर्ज की। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि खेल से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी विकास होता है। मैन ऑफ द मैच अंकित पांडे, बेस्ट बॉलर चंद्रप्रकाश एवं बेस्ट बेस्टमैन अरविंद यादव रहे। अंत में अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीम को पदक व ट्रॉफी प्रदान की। संचालन बसंत सिंह राठौर ने एवं आभार महामाया प्रसाद ने व्यक्त किया।

स्व. गुरुबख्श सिंह की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

■ ग्वालियर

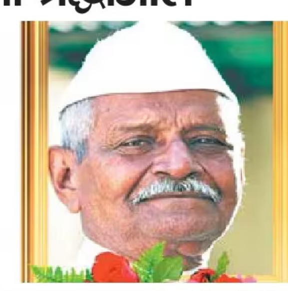

व्हीआइएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज में समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले स्वर्गीय गुरुबख्श सिंह की 11वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर द्वारा अपने पिताश्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने से हुई। इस अवसर पर चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह तथा व्हीआईएसएम हॉस्पिटल के स्टाफ ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। स्व. गुरुबख्श सिंह एक दूरदर्शी एवं समर्पित समाजसेवी थे। उन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानते हुए ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय की स्थापना की। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके दृढ़ संकल्प ने अनेक विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा दी। उनके प्रयासों से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। डॉ. राठौर ने भावुक शब्दों में कहा कि उनके पिताजी के आदर्श, त्याग और सेवा भाव ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि वे शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर स्वर्गीय गुरुबख्श सिंह जी के सपनों को आगे बढ़ाते रहेंगे।

स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

ग्वालियर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय श्यामलाल पांडवीय महाविद्यालय में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के तीसरे दिन का प्रारंभ शिविर स्थल पर स्वच्छता अभियान से किया गया। स्वयंसेवकों ने श्रमदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ऋषि गालव पब्लिक स्कूल में आयोजित शिविर में बौद्धिक सत्र मे मुख्य अतिथि महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एके सिंह ने व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण विषय पर सभी विद्यार्थियों को विस्तार से व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप सिंह भदौरिया ने स्वयंसेवकों को विनम्रता, सहनशीलता और श्रमदान का महत्व बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उदय शर्मा ने की।

निःशुल्क न्याय परामर्श शिविर में 50 मामलों का समाधान

अधिवक्ता परिषद की पहल से जरूरतमंदों को मिली राहत

■ ग्वालियर

अधिवक्ता परिषद ग्वालियर द्वारा रविवार को निःशुल्क न्याय परामर्श शिविर संत रविदास विद्यालय शिंदे की छावनी में आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 50 जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी परामर्श देकर त्वरित निराकरण किया गया।

शिविर में सरकारी अधिवक्ताओं, बिजली विभाग के अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, वार्ड नंबर 33 की पार्षद लक्ष्मी कुशवाहा के प्रतिनिधि पुष्पेश कुशवाहा ने सहभागिता कर लोगों की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोमती जाटव पत्नी जय सिंह जाटव ने राशन न मिलने एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। पार्षद की सहायता से उचित मूल्य की दुकान पर संपर्क पर उनका राशन कार्ड सक्रिय कराया गया। साथ ही जनमित्र केंद्र के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर बताया गया कि केवाईसी लंबित होने के कारण पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद उन्हें नियमित पेंशन मिलने का आश्वासन दिया गया। इसी प्रकार श्रीमती दीपा पत्नी स्वर्गीय मुकेश ने संबल योजना का लाभ न मिलने की जानकारी दी गई। ऑनलाइन जांच में पाया गया कि आधार अपलोड न होने के कारण आवेदन लंबित था। परिषद कार्यकर्ताओं ने आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर पुनः आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कराई, जिससे योजना का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

भारत विकास परिषद शाखा समर्पण की हुई परिवारिक बैठक

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा समर्पण की बैठक मोतीमहल फूलबाग में प्रान्तीय गतिविधि संयोजक उमेश बिजपुरिया और प्रान्तीय वित्त सचिव रचना गोयल के आतिथ्य में हुई। बैठक में शाखा द्वारा वर्ष 2025-26 सत्र में किए गए सेवा संस्कार स्थायी प्रकल्प कार्यक्रम पर चर्चा हुई, फिर शाखा समर्पण की डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी को भारतीय जनता पार्टी मे जिला सह मीडिया प्रभारी बनने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संरक्षक अरविंद दूदावत, संस्थापक संजय धवन, पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह प्रजापति, अध्यक्ष विम्मी सचदेवा, महिला सहभागिता गतिविधि संयोजक डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. वंदना शर्मा, उपाध्यक्ष मधु धवन,सचिव लता गुप्ता,कोषाध्यक्ष मनीषा श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

विनय नगर में गंदगी और सीवर को लेकर प्रदर्शन किया

ग्वालियर। ग्वालियर विधानसभा के विनय नगर में पिछले दो माह से गंदगी, सीवर उफान की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है फिर भी निगम अधिकारियों द्वारा समस्या का निराकरण नहीं किया जा रहा। इस समस्या के विरोध में रविवार को कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने क्षेत्रीय नागरिकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन किया। श्री शर्मा ने कहा विनय नगर में सीवर उफान से मार्ग और घरों में सीवर भर रहा है। शर्मा ने चेतावनी दी कि शीघ्र समस्या हल नहीं की गई तो निगम मुख्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रदर्शन में सुरेश उपाध्याय, बनवारी भारद्वाज, सुशील राठौर, राजीव यादव, विक्रम शर्मा, खेमचंद जैन, प्रदीप श्रीवास्तव, राकेश पाल, पिटू राजपूत, हिमांशु कुलश्रेष्ठ, राकेश जादौन, अहमद कुरैशी, शैलेन्द्र सिंह, पीके जैन, सौरभ राठौर आदि मौजूद रहे।

ओम बरेटा ने जीता बॉडी बिल्डिंग का खिताब

■मेलाश्री संभाग स्तरीय बॉडी बिल्डिंग एंड मेंस फिजिक चैंपियनशिप आयोजित

ग्वालियर। माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण एवं ग्वालियर डिस्ट्रिक बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में मेलाश्री संभाग-स्तरीय बॉडी बिल्डिंग एंड मेंस फिजिक चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। चैंपियन ऑफ चैंपियन (बॉडी बिल्डिंग) का खिताब ओम बरेटा ने अपने नाम किया, वहीं द्वितीय स्थान अभिषेक गोयल ने, शुभम आर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चैंपियन ऑफ चैंपियन (मेंस फिजिक केटेगरी) में प्रथम स्थान शुभम आर्य ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान स्वयं राजावत, तृतीय स्थान हर्ष भदौरिया ने प्राप्त किया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया एवं सलमान पठान ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र सिंह नाती, श्याम सिंह चौहान ने किया। संगीत की मधुर धुन पर सभी शरीर साधकों ने अपनी मांसपेशियों का शानदार प्रदर्शन किया। उक्त प्रतियोगिता में सम्पूर्ण ग्वालियर चम्बल अंचल के 100 से अधिक शरीर साधक (बॉडी बिल्डर्स) ने भाग लिया।

10 करोड़ से होगा पुनर्निर्माण

गणेश बाग मंदिर बनेगा संस्कार धाम : जादौन

■ ग्वालियर

बहोड़ापुर स्थित रामाजी का पुरा में प्राचीन गणेश बाग मंदिर परिसर में रविवार को शिला पूजन यज्ञ का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर गणेशबाग मंदिर न्यास के अध्यक्ष अभिभाषक मानसिंह जादौन ने कहा कि 250 वर्ष पूर्व स्थापित इस मंदिर को संस्कार धाम के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंदिर में विराजित गणेश प्रतिमा अत्यंत मनमोहक है। परिसर में नवग्रह मंदिर एवं हनुमान मंदिर भी है। मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प सज्जन शक्ति के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा, जिससे भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शिक्षा मिल सके। श्री जादौन ने बताया कि प्रस्तावित धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र में वेद विद्यालय, अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र, संस्कृत शिक्षण केंद्र,षोडश संस्कारशाला, बालिका शिक्षण एवं कौशल विकास हेतु लक्ष्मीबाई स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का संचालन, संत निवास, प्रवचन-कथा आयोजन की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही गौ संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन जैसे सेवा कार्यों पर विशेष बल रहेगा। प्रस्तावित दिव्य एवं भव्य धार्मिक केंद्र के निर्माण पर लगभग 10 करोड़ रुपए व्यय होने का अनुमान है, जिसे समाज के सहयोग से पूर्ण करने की योजना बनाई गई है। आज के शिला पूजन यज्ञ में मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो.राजेंद्र बांदिल, कोषाध्यक्ष वृंदावन लुडेले, न्यास के सचिव अभिभाषक जागेश्वर सिंह भदौरिया, न्यासी जगदीश अरोरा, पप्पू वर्मा, शैलेष जैन के अलावा इंजीनियर चिंतन गुप्ता, पार्वती विद्या पीठ के प्राचार्य डॉ.नरेश त्यागी, लक्ष्मीबाई कन्या उमावि के प्राचार्य जगदीश प्रसाद, विवेक पेठकर, राघवेंद्र चौहान आदि उपस्थित रहे।

प्रति रविवार होता है शिला पूजन यज्ञ

मंदिर परिसर में प्रत्येक रविवार को प्रात: 10 बजे शिला पूजन यज्ञ आयोजित किया जाता है। श्रद्धालुओं से सपरिवार भारतीय वेषभूषा में समय से 10 मिनट पूर्व उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। शिला पूजन यज्ञ में भाग लेने के लिए भक्तजन क्यूआर कोड को स्कैन कर या वेबसाइट के माध्यम से आरक्षण करा सकते हैं।

स्वामी आनंद स्वरूप बोले, धनानंद की तरह देश को बांटने वालों के साम्राज्य का नाश होगा

■ ग्वालियर

यूजीसी बिल के विरोध में रविवार को सवर्ण समाज समन्वय समिति (एस4) के तत्वावधान में गोला का मंदिर स्थित इंद्रप्रस्थ गार्डन में आयोजित सामाजिक गोष्ठी में शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर एवं एस4 के संस्थापक स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा कि यूजीसी बिल के विरोध में मैं देश को चाणक्य की तरह नेतृत्व देने के लिए तैयार हूं। जिस तरह चाणक्य ने धनानंद के साम्राज्य का नाश किया, वैसे ही आप सबके सहयोग से देशवासियों को बांटने वाले साम्राज्य का नाश हो जाएगा। कार्यक्रम में अभा कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री नवीन सक्सैना, राष्ट्रीय अध्यक्ष क्षत्रिय महासभा सुरेंद्र सिंह तोमर, उत्तरप्रदेश अध्यक्ष अभा क्षत्रिय महासभा राजीव सिंह चौहान, जयवीर भारद्वाज, महेश मुदगल, हरीदास अग्रवाल, धर्मेंद्र भारद्वाज, अंबिका प्रसाद पचौरी एवं परशुराम सेना भिंड के अध्यक्ष देवेश शर्मा मंचासीन रहे। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक अखिलेश पांडे एवं एड. आशुतोष दुबे ने दिया। केंद्र की सरकार से उन्होंने आह्वान किया कि देश के लोगों को बांटने का काम मत करो। उन्होंने आह्वान किया कि यूजीसी बिल के विरोध में दिल्ली के रामलीला मैदान में आएं, यहां से कार्यक्रम में ग्वालियर अंचल से कम से कम 50 हजार लोग पहुंचे। अंत में अखिलेश पांडे, एड. आशुतोष दुबे, शैलेन्द्र सिंह राजावत, राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव राजा, कुलदीप कांकोरिया, प्रदीप शर्मा आरोली ने स्वामी आनंद स्वरूप को गदा भेंट किया।

मंत्र भारत

ग्वालियर -मंगलवार ,24 फरवरी 2026

संपादकीय

विरोध करना अपराध नहीं है

नयी दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट में युवा कांग्रेस के कार्यकताओं के शर्ट उतार कर प्रदर्शन करने से भाजपा ने देश में ऐसा सियासी बवाल खड़ा किया मानो लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन करना कोई बड़ा गुनाह है। अब इस बात को देखकर हैरानी भी नहीं होती कि भाजपा के साथ-साथ कई स्वयंभू बड़े पत्रकारों ने भी इस प्रदर्शन पर कांग्रेस को नसीहतें देना शुरू कर दिया कि विरोध का ये कोई तरीका नहीं होता। इन पत्रकारों ने शायद अब आईने में अपना चेहरा देखना ही बंद कर दिया है, क्योंकि देखेंगे तो असलियत दिखाई पड़ेगी कि मोदी सरकार के 12 बरसों में एक से बढ़कर एक गलत फैसले पूरी तरह सोच-समझ कर लिए गए, जिनसे आम जनता की जान पर बन आई, लेकिन तब इनके मुंह से ये नहीं निकला कि सत्ता चलाने का ये कोई तरीका नहीं है। नोटबंदी, लॉकडाउन, सांसदों का निलंबन ऐसे बड़े मामले तो छोड़ ही दीजिए, जनता के टैक्स पर प्रधानमंत्री के मन की बात को तमाम भाजपाई मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक बड़ी स्क्रीन लगाकर सुनते हैं, या प्रधानमंत्री ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के लिए जितना तामझाम करते हैं, उस पर क्या पत्रकारों ने लगातार सवाल उठाए। अगर पत्रकार ईमानदारी से रोजाना सरकार को गलत बात पर टोकते रहे, उससे जुड़े कार्यक्रम करते रहें, तो मजाल है कि कोई सरकार इतनी मनमानी करे, जितनी मोदी सरकार करती है। लेकिन 2014 के बाद एक अलग ही चलन बन गया है कि सारी जिम्मेदारी विपक्ष पर डाल दी जाती है, सवाल भी विपक्ष से ही होते हैं। पिछले कार्यकाल में अधीर रंजन चौधरी नेता प्रतिपक्ष थे, तो उनसे उतने सवाल नहीं होते थे, वो कब संसद में आए या संसद सत्र के दौरान कहां रहे, इसकी भी जानकारी पत्रकारों को शायद ही होती होगी। लेकिन राहुल गांधी जब से नेता प्रतिपक्ष बने हैं, सवालों के तीर उनकी तरफ ही रहते हैं। सत्र में व्यवधान हो तो उसके जिम्मेदार राहुल गांधी हैं, प्रधानमंत्री संसद न आएं तो उसके भी जिम्मेदार राहुल गांधी हैं और अगर सत्र के बीच में दो-चार दिन के लिए राहुल गांधी कहीं चले जाएं, तो उन्हें पार्ट टाइम राजनेता कहने में गुरेज नहीं होता। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से कभी कोई सवाल नहीं होता और अब तो पत्रकारों ने ये पूछना भी जरूरी नहीं समझा कि आप हर महीने आकर अपने मन की बात सुनाते हैं, तो कभी खुली प्रेस कांफ्रेंस क्यों नहीं करते, ताकि हम भी जनता से जुड़े सवाल सीधे आपके सामने रख सकें। बहरहाल, आज का दौर ऐसा हो चुका है कि अब सरकार के साथ-साथ पत्रकारों से निष्पक्ष रहने की उम्मीद भी खत्म होती जा रही है। जहां तक सवाल युवा कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन का है, तो लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध अधिकार ही होता है, अपराध नहीं होता। 2010 में जब दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल आयोजित हुए थे, तब भाजपा ने भी विरोध किया था। तब भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही था, तो क्या उसमें देश की बदनामी नहीं हुई होगी। असल में भाजपा को देश की नहीं अपनी बदनामी का डर सता रहा है। क्योंकि युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड लिखी जो टी शर्ट्स दिखाकर विरोध किया, उसमें संदेश दूर-दूर तक पहुंच गया कि हमारे प्रधानमंत्री खुद को या अपने मित्रों के बचाने के लिए किसी भी हद तक झुक कर समझौता कर सकते हैं। वैसे राहुल गांधी यह बात पहले ही कह चुके हैं और इस आरोप को लगाने की वजह खुद मोदी सरकार ने ही दी है। कांग्रेस उनसे बार-बार पूछ रही है कि आखिर व्यापार सौदे में डोनाल्ड ट्रंप की सारी शर्तों को मानने की कौन सी मजबूरी है। ट्रंप ने केवल भारत पर ही नहीं दुनिया के कई देशों पर टैरिफ थोपे हैं, लेकिन चीन जैसे शक्तिशाली देश से लेकर ब्राजील जैसे विकासशील देश ने अपनी शर्तें खुलकर ट्रंप के सामने रखीं और बेजा बातों को मानने से इंकार कर दिया। नरेन्द्र मोदी ऐसा क्यों नहीं कर पाए, किसलिए रूस जैसे पुराने मित्र से तेल खरीदना बंद किया, पांच सौ बिलियन डॉलर का सामान अमेरिका से खरीदने की शर्त क्यों मान ली। अगर सरकार इनका तार्किक जवाब दे देती तो शायद कांग्रेस को विरोध का मौका नहीं मिलता। लेकिन जवाब देने की जगह प्रधानमंत्री मोदी संसद से नदारद हो गए और उनके दूसरे मंत्री एक-दूसरे पर इन सवालों को टालते रहे कि इनसे पूछो, हमें नहीं मालूम। ऐसे टरकाने वाले रवैये से शक ही पैदा होगा कि कोई न कोई ऐसी मजबूरी है, जो मोदी सरकार देश से छिपा रही है और किसानों, व्यापारियों का हित दांव पर लगा रही है। हैरानी की बात ये है कि अभी अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट तक ने ट्रंप सरकार के खिलाफ फैसला दिया है कि टैरिफ लगाने का हक उसे नहीं है। अगर मोदी सरकार इस फैसले का इंतजार करती और हड़बड़ी में फरवरी की शुरुआत में व्यापार समझौता नहीं करती तो शायद देश का भविष्य दांव पर नहीं लगता। लेकिन अब देर हो चुकी है और मामले को संभालने की कोशिश भी सरकार नहीं कर रही है। व्यापार समझौते के अलावा एपस्टीन मामले में भी नरेन्द्र मोदी का रवैया हैरान करने वाला है। दुनिया भर में इसमें जिन लोगों के नाम आए हैं, उनके इस्तीफे हो रहे हैं। यहां तक कि ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और राजपरिवार ने ऐसा होने दिया, क्योंकि मामला नैतिकता का है। मगर देश में हरदीप पुरी को अपनी सरकार से निकालने की जगह नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं, ताकि सबको ये पता चल जाए कि उन्हें आने वाले वक्त में मोदी बचाते रहेंगे। यहां भी वही सवाल है ।

बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारने के संकेत

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को व्यक्तिगत संदेश भेजकर सही कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि आपकी जीत बांग्लादेश के लोगों के आपके नेतृत्व पर दिखाए गए भरोसे और विश्वास का सुबूत है और देश को शांति, स्थिरता और खुशहाली के रास्ते पर आगे ले जाने के आपकी दृष्टि के लिए उनका जनादेश है। यह जनादेश की वैधता और दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने में बीएनपी की अगुवाई वाली सरकार के नए प्रधान मंत्री की भूमिका पर बांग्लादेशियों के भरोसे का एक तरह से समर्थन है। यह साफ है कि इस समय, भारत सरकार के पास नई बीएनपी सरकार के साथ पूरी तरह से आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और प्रधानमंत्री रहमान सबसे अच्छा दांव हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि अभी तारिक रहमान के पास शेख हसीना को भारत से ढाका वापस भेजने के मुद्दे को न्यायाधिकरण और फिर अदलत के आदेश के मुताबिक, और चुनाव प्रचार के दौरान बीएनपी के वादे के मुताबिक, जोर-शोर से उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है।

नित्य चक्रवर्ती

भारतीय विदेश मंत्रालय में अनुभवी राजनयिक हैं। इसलिए यह देखकर अच्छा लगा कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को ही तारिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को व्यक्तिगत संदेश भेजकर सही कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि आपकी जीत बांग्लादेश के लोगों के आपके नेतृत्व पर दिखाए गए भरोसे और विश्वास का सुबूत है और देश को शांति, स्थिरता और खुशहाली के रास्ते पर आगे ले जाने के आपकी दृष्टि के लिए उनका जनादेश है। यह जनादेश की वैधता और दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने में बीएनपी की अगुवाई वाली सरकार के नए प्रधान मंत्री की भूमिका पर बांग्लादेशियों के भरोसे का एक तरह से समर्थन है।

यह साफ है कि इस समय, भारत सरकार के पास नई बीएनपी सरकार के साथ पूरी तरह से आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और प्रधानमंत्री रहमान सबसे अच्छा दांव हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि अभी तारिक रहमान के पास शेख हसीना को भारत से ढाका वापस भेजने के मुद्दे को न्यायाधिकरण और फिर अदलत के आदेश के मुताबिक, और चुनाव प्रचार के दौरान बीएनपी के वादे के मुताबिक, जोर-शोर से उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है। बीएनपी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात बहुत जोश में भरी जमात-ए-इस्लामी है, जो दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और उसके गठबंधन में 77 सीटें हैं और जो प्रधानमंत्री तारिक के भारत के पक्ष में उठाए गए हर कदम का इस्तेमाल यह प्रचार करने के लिए करेगी कि तारिक हसीना के रास्ते पर जा रहे हैं। भारत उन्हें बांग्लादेश के हितों के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। इसलिए तारिक के हाथ बंधे हुए हैं। अगर वह भारत के प्रति दोस्ताना रवैया भी चाहते हैं, तो उन्हें अपनी बांग्लादेश वफादारी की परीक्षा पास करनी होगी क्योंकि जमात वहां की संसद और बाहर सड़कों पर,

दोनों जगह उनकी गर्दन पर सवार है, जो बांग्लादेश की राजनीति में सरकारों की किस्मत तय करती है। भारतीय विदेश मंत्रालय में अनुभवी राजनयिक हैं। इसलिए यह देखकर अच्छा लगा कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को ही तारिक रहमान के शपथ ग्रहण के दिन जमात नेता शफीकुर रहमान से बहुत चुपचाप मुलाकात की। यह सबसे अहम मीटिंग थी क्योंकि भारत के विदेश सचिव उस आदमी को जानते थे जो भारत-बांग्लादेश रिश्तों का रास्ता तय करने में असली शक्ति का इस्तेमाल करेगा और इसलिए उसे लाड़-प्यार करना होगा। यह पता नहीं है कि जमात नेता ने क्या प्रतिक्रिया दी, लेकिन भारत के अधिकारियों के लिए, जमात के साथ यह बातचीत राजनयिक प्रक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए अगर भारत सच में द्विपक्षीय रिश्तों में जल्दी सुधार चाहता है। आखिर बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए जमात की भूमिका का इतना महत्व क्यों है? यह इस बात में अन्तर्निहित है कि 12 फरवरी को बांग्लादेश के सभी सीमावर्ती जिलों में हुए चुनावों में, जमात ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे भारत के गृह मंत्रालय के अधिकारियों, खासकर पूर्वी इलाके के बीएसएफ अधिकारियों में डर पैदा हो गया है। बांग्लादेश के खुलना, राजसाही, तथा रंगपुर जिलों, जो पश्चिम बंगाल से लगते हैं, में जमात ने जीत हासिल की है। जैसे, खुलना में, जमात को 36 में से 25 सीटें मिलीं। इन सीमावर्ती जिलों में बहुत सारे भारत-विरोधी तत्व सक्रिय हैं, जिनमें बागी भी शामिल हैं, जिन्हें बीएनपी-जमात राज के दौरान जमात ने पनाह दी थी। शेख हसीना ने 2009 के बाद इसे रोक दिया। असल में, बाद में जमात को काम करने की इजाजत नहीं दी गई, और उसके विदेशी फंड पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अब सीमावर्ती जिलों पर पूरा कब्जा होने के कारण, जमात के गुंडे तत्वों को खुली छूट मिलेगी, जब तक कि उन्हें ऊपर से रोका न जाए। यह बीएनपी सरकार और जमात नेतृत्व, दोनों स्तरों पर किया गया है। भारत सरकार जमात के साथ करीबी तालमेल रखकर इसे बेहतर तरीके से ठीक कर सकती है। मैं कुछ बातें बताना चाहता हूं जिन पर बिलकुल भी बात नहीं होती। बांग्लादेश संवैधानिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है जो इस्लाम को राज्य का धर्म भी मानता है। 18 करोड़ आबादी में से लगभग 17 करोड़ मुस्लिम हैं और लगभग एक करोड़ अल्पसंख्यक, जिनमें ज्यादातर हिंदू हैं। दूसरे इस्लामिक देशों की तरह, बांग्लादेश में हमेशा कट्टरपंथियों का एक ग्रुप रहता है। जमात में कई समझदार लोग हैं जो अल्पसंख्यकों के प्रति समझदार हैं। साथ ही, कुछ ऐसे ग्रुप भी हैं जो कट्टर हिंदू विरोधी और भारत विरोधी हैं। भारत में, हमारा एक धर्मनिरपेक्ष संविधान है। कोई सरकारी धर्म नहीं है, लेकिन फिर भी आरएसएस और बजरंग दल से जुड़े भाजपा के कुछ लोग मुसलमानों के कट्टर विरोधी हैं, जबकि भारत की आबादी में मुसलमानों की संख्या 14प्रतिशत से ज्यादा है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनने के बाद पिछले अठारह महीनों में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधिकारियों ने बहुत सारी गलतियां की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान डॉ. यूनुस के द्विपक्षीय वार्ता के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने डॉ. यूनुस से मिलने से बचने के लिए जानबूझकर न्यूयॉर्क संयुक्त राष्ट्र आम सभा में भाग लेने का अपना समय बदल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बांग्लादेशियों को दीमक कहा। इन सभी गलतियों ने बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को और बढ़ा दिया। बांग्लादेश में पहले भारत के समर्थक लोग भी भारत-विरोधी हो गए। आखिर में, मोदी सरकार ने बीसीसीआई को बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को खेलने से रोकने के फैसले के लिए उकसाया। आईपीएल में भारत-विरोधी भावनाओं को और भड़काया गया। मोदी सरकार को कुछ और समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, भले ही अब अचानक प्रधानमंत्री तारिक को गले लगाने के लिए हद पार कर रहे हैं, जैसा उन्होंने अपने शुरूआती प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में पाकिस्तान के नवाज शरीफ के साथ किया था। बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारना एक लंबा और मुश्किल सफर होगा। भारतीय अधिकारियों को बीएनपी नेता और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक और विपक्षी जमात नेता शफीकुर रहमान दोनों को मनाना होगा साथ ही, भारत को यह पक्का करना चाहिए कि शेख हसीना के प्रत्यार्पण को छोड़कर दूसरे मामलों पर बातचीत रिश्ते सुधारने के लिए सही मायने में शुरू हो। खासकर, आर्थिक मुद्दों पर अब ध्यान देना चाहिए। हसीना मुद्दे में लंबा समय लगेगा और आर्थिक मदद से ठीक होने की प्रक्रिया शुरू करके, भारत हसीना के प्रत्यार्पण के मुद्दे पर सही समाधान के लिए आधार बना सकता है। भारत को बीएनपी और जमात दोनों को यह तरीका अपनाने के लिए मनाना होगा।

ए.आई. नौकरियां नहीं छीन रहा, बल्कि दे रहा नए हुनर सीखने का अवसर

> ए.आई. खासतौर पर उन कामों को बहुत तेजी से और सटीक तरीके से कर सकता है, जो बार-बार दोहराए जाते हैं और जिनमें ज्यादा रचनात्मक सोच की जरूरत नहीं होती। जैसे रिपोर्ट बनाना, डाटा का विश्लेषण करना, सामान्य कोड लिखना, ग्राहक सेवा के सवालों के जवाब देना या दस्तावेजों को व्यवस्थित करना। पहले इन कामों के लिए बड़ी संख्या में जूनियर कर्मचारियों की जरूरत होती थी। अब वही काम ए.आई. कुछ ही मिनटों में कर सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि काम खत्म हो गया, बल्कि इसका मतलब यह है कि काम की प्रकृति तेजी से बदल रही है। इतिहास गवाह है कि हर नई तकनीक ने पुराने कामों को बदला है लेकिन साथ ही नए अवसर भी पैदा किए हैं। जब मशीनें आईं, तो हाथ से काम करने वाले कारीगरों की जरूरत कम हुई, लेकिन इंजीनियर, मशीन ऑप्रेटर और मैनेजर जैसे नए पेशे सामने आए। 1990 के दशक में कम्प्यूटर आए, तो टाइपिस्ट और क्लर्क की जरूरत कम नहीं हुई, बल्कि वे भी कम्प्यूटर सीख कर काम में तेजी लाए। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डिजिटल मार्कीटिंग विशेषज्ञ और डाटा विश्लेषक जैसे नए पेशे पैदा हुए। आज ए.आई. उसी प्रक्रिया का अगला चरण है। ए.आई. की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह इंसानों की जगह लेने की बजाय उनकी क्षमता को बढ़ाता है। ए.आई. जानकारी दे सकता है, सुझाव दे सकता है और कई कामों को आसान बना सकता है लेकिन अंतिम निर्णय लेना, सही दिशा तय करना और जटिल समस्याओं को समझना अभी भी इंसानों की जिम्मेदारी है।

दिनेश सूद

दिल्ली के भारत मंडपम में पहला इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट आयोजित करने का भारत का फैसला केवल तकनीकी या कूटनीतिक नहीं, बल्कि यह एक गहरे बदलाव का संकेत है। यह बदलाव इस बात से जुड़ा है कि आने वाले समय में काम कैसे होगा। नौकरियां कैसे मिलेंगी? लोग अपने करियर को कैसे आगे बढ़ाएंगे? आज आम धारणा यह बन रही है कि आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस यानी ए.आई. लोगों की नौकरियां छीन लेगा। लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। ए.आई. काम को खत्म नहीं कर रहा, बल्कि पुराने और जड़ हो चुके रोजगार के तरीकों को बदल रहा है और लोगों को नए हुनर सीखने के लिए प्रेरित कर रहा है। ए.आई. खासतौर पर उन कामों को बहुत तेजी से और सटीक तरीके से कर सकता है, जो बार-बार दोहराए जाते हैं और जिनमें ज्यादा रचनात्मक सोच की जरूरत नहीं होती। जैसे रिपोर्ट बनाना, डाटा का विश्लेषण करना, सामान्य कोड लिखना, ग्राहक सेवा के सवालों के जवाब देना या दस्तावेजों को व्यवस्थित करना। पहले इन कामों के लिए बड़ी संख्या में जूनियर कर्मचारियों की जरूरत होती थी। अब वही काम ए.आई. कुछ ही मिनटों में कर सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि काम खत्म हो गया, बल्कि इसका मतलब यह है कि काम की प्रकृति तेजी से बदल रही है। इतिहास गवाह है कि हर नई तकनीक ने पुराने कामों को बदला है लेकिन साथ ही नए अवसर भी पैदा किए हैं। जब मशीनें आईं, तो हाथ से काम करने वाले कारीगरों की जरूरत कम हुई, लेकिन इंजीनियर, मशीन ऑप्रेटर और मैनेजर जैसे नए पेशे सामने आए। 1990 के दशक में कम्प्यूटर आए, तो टाइपिस्ट और क्लर्क की जरूरत कम नहीं हुई, बल्कि वे भी कम्प्यूटर सीख कर काम में तेजी लाए। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डिजिटल मार्कीटिंग विशेषज्ञ और डाटा विश्लेषक जैसे नए पेशे पैदा हुए। आज ए.आई. उसी प्रक्रिया का अगला चरण है। ए.आई. की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह इंसानों की जगह लेने की बजाय उनकी क्षमता को बढ़ाता है। ए.आई. जानकारी दे सकता है, सुझाव दे सकता है और कई कामों को आसान बना सकता है लेकिन अंतिम निर्णय लेना, सही दिशा तय करना और जटिल समस्याओं को समझना अभी भी इंसानों की जिम्मेदारी है। उदाहरण के लिए, ए.आई. कोड लिख सकता है लेकिन यह तय करना कि उस कोड का इस्तेमाल कैसे होगा और वह किसी कंपनी या समाज के लिए कितना उपयोगी होगा, यह इंसान ही तय करता है। इसी तरह, ए.आई. डॉक्टर की मदद कर सकता है लेकिन मरीज के साथ बातचीत करना और उसकी बीमारी व भावनाओं को डॉक्टर ही समझ सकता है। इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि अब केवल डिग्रीधारी होना काफी नहीं होगा। अब सबसे जरूरी है लगातार नए हुनर सीखना। इसमें सोचने की क्षमता, समस्या सुलझाने की योग्यता, रचनात्मकता और नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता विकसित करने की जरूरत है। भारत के लिए यह बदलाव एक बड़ी चुनौती होने के साथ एक बड़ा अवसर भी है। भारत की युवा आबादी, मजबूत डिजिटल ढांचा और तेजी से बढ़ती तकनीकी क्षमता इसे ए.आई. युग में अग्रणी बना सकती है। भारत ने पहले ही डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। अब ए.आई. शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों में सुधार ला सकता है। यदि भारत अपने युवाओं को ए.आई. के साथ काम करने के लिए तैयार कर लेता है, तो वह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ए.आई.-सक्षम राष्ट्र बन सकता है। लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ तो समाज में असमानता बढ़ सकती है, जहां कुछ लोग आगे बढ़ेंगे तो बाकी पीछे छूट जाएंगे। इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट में 30 से अधिक देशों की भागीदारी से भारत इस बदलाव में आगे बढ़ कर नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। यह समिट केवल तकनीक के बारे में नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के बारे में है, कि ए.आई. का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। सच्चाई यह है कि ए.आई. काम का अंत नहीं है, बल्कि हुनरमंद युग की शुरूआत है।

हम करें तो लंगोट ढीला आप करो तो रासलीला !

> मुंबई में 26/11 के हमले के समय जब सुरक्षा बल और सरकार आतंकवादियों से लड़ रही थे। वास्तविक रूप से आमने-सामने। तब मोदी प्रेस कान्फ्रेंस करके सरकार पर आरोप लगा रहे थे। और देश एवं सुरक्षा बलों का ध्यान भटका रहे थे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी सवाल था और अन्तरराष्ट्रीय भी। ऐसे कई उदाहरण हैं। मगर अभी कांग्रेस के नहीं उसके यूथ मोर्चे के एक प्रदर्शन को लेकर भाजपा ही नहीं विपक्ष के दूसरे दल भी और गोदी मीडिया एवं भक्त तो थे ही कांग्रेस और राहुल पर हमलावर हो गए। उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षक सब्बरवाल की हत्या विद्यार्थी परिषद के नेताओं ने पीट-पीट कर कर दी थी। पूरी भाजपा की राज्य सरकार हत्यारों के साथ खड़ी हो गई थी। किसी को सजा नहीं हुई। अदालत से सब बरी हो गए। परिवार वाले रोते रहे। यूथ कांग्रेस ने केवल प्रदर्शन किया था और उसके सदस्यों पर गिरफ्तारी के साथ गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज किया गया। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर अभी निवर्तमान हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा कहते हैं कि कांग्रेस को विपक्ष की भूमिका कैसे निभाना चाहिए यह हम सिखा सकते हैं! क्या सिखाएंगे के देश का प्रधानमंत्री जब अमेरिका में अन्तरराष्ट्रीय नेताओं से बात कर रहा हो पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों के बारे में उन्हें बता रहा हो तो आप भारत में उसी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को कोट करके कहेंगे कि भारत का प्रधानमंत्री देहाती औरतों की तरह बात करता है! मनमोहन सिंह के लिए कहा था यह मोदी ने। और किसका हवाला देकर? कहा था नवाज शरीफ अमेरिका के राष्ट्रपति से यह कह रहे हैं। यह दो नहीं तीन मामले थे।

शकील अख्तर

क्या दिन ले आए? उस भाषा और मुहावरों को याद करना पड़ रहा है जो कभी अच्छे नहीं लगे। मगर इन्हें अच्छे भी वही लगते थे और समझ में भी वही आते हैं। अमर सिंह कहते थे हम करें तो लंगोट ढीला और आप करें तो रासलीला! मुंबई में 26/11 के हमले के समय जब सुरक्षा बल और सरकार आतंकवादियों से लड़ रही थे। वास्तविक रूप से आमने-सामने। तब मोदी प्रेस कान्फ्रेंस करके सरकार पर आरोप लगा रहे थे। और देश एवं सुरक्षा बलों का ध्यान भटका रहे थे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी सवाल था और अन्तरराष्ट्रीय भी। ऐसे कई उदाहरण हैं। मगर अभी कांग्रेस के नहीं उसके यूथ मोर्चे के एक प्रदर्शन को लेकर भाजपा ही नहीं विपक्ष के दूसरे दल भी और गोदी मीडिया एवं भक्त तो थे ही कांग्रेस और राहुल पर हमलावर हो गए। उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षक सब्बरवाल की हत्या विद्यार्थी परिषद के नेताओं ने पीट-पीट कर कर दी थी। पूरी भाजपा की राज्य सरकार हत्यारों के साथ खड़ी हो गई थी। किसी को सजा नहीं हुई। अदालत से सब बरी हो गए। परिवार वाले रोते रहे। यूथ कांग्रेस ने केवल प्रदर्शन किया था और उसके सदस्यों पर गिरफ्तारी के साथ गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज किया गया। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर अभी निवर्तमान हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा कहते हैं कि कांग्रेस को विपक्ष की भूमिका कैसे निभाना चाहिए यह हम सिखा सकते हैं! क्या सिखाएंगे के देश का प्रधानमंत्री जब अमेरिका में अन्तरराष्ट्रीय नेताओं से बात कर रहा हो पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों के बारे में उन्हें बता रहा हो तो आप भारत में उसी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को कोट करके कहेंगे कि भारत का प्रधानमंत्री देहाती औरतों की तरह बात करता है! मनमोहन सिंह के लिए कहा था यह मोदी ने। और किसका हवाला देकर? कहा था नवाज शरीफ अमेरिका के राष्ट्रपति से यह कह रहे हैं। यह दो नहीं तीन मामले थे। अन्तरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की प्रतिष्ठा का भी। और भारतीय प्रधानमंत्री का सम्मान कैसे किया जाता है इसका एक उदाहरण। अभी नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भारत का कोई प्रधानमंत्री ऐसा नहीं कर सकता है। राहुल ने भारतीय प्रधानमंत्री पद की पूरी गरिमा रखते हुए कहा था कि अगर व्यक्तिगत रूप से किसी का कोई मुद्दा न हो तो अमेरिका के साथ ऐसी डील कोई भारतीय प्रधानमंत्री नहीं करेगा। प्रधानमंत्री पद की लाज रखी और मोदी के व्यक्तिगत रूप से कम्प्रोमाइजड होने पर सवाल किया। विपक्ष के रूप में यह भारीपन संयम और देश के सम्मान का ख्याल रखना क्या गलत है? जो कांग्रेस को विपक्ष में क्या करना है यह सिखाना चाहते हैं। जब यह इतने पढ़े-लिखे और दुनिया भर में अपनी विद्वता के लिए सम्मानित प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए देहाती औरत, चुगली करने वाली बोलते हैं तो इनके लिए जिनकी डिग्री पर ही सवाल है के लिए अगर इन्हीं जैसा विपक्ष होता तो क्या बोलता? खुद ही सोच लेना चाहिए और गोदी मीडिया, भक्तों को भी। इसीलिए अमर सिंह के इस तकिया कलाम की याद आई- हम करें तो लंगोट ढीला और आप करें तो रासलीला। जब देश का माहौल सभ्य बनाया जाता है तो पढ़े-लिखे लोगों के कोट (उद्धरण) याद आते हैं। लेकिन आज के समय में उसे समझेगा कौन? हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का नाम जब तुक मिलाने के लिए हार्ड वर्क के साथ लिया जाता हो तब आप समझ सकते हैं कि देश की सोच समझ को किस तरह गलत मुहावरों भाषाई जाल में जकड़ा जा रहा है। किसी भी देश समाज को अंदर से खोखला करने के लिए जो एक तत्व सबसे ज्यादा जिम्मेदार होता है वह है दोहरा चरित्र। दो पैमाने। आप के लिए कुछ अपने लिए कुछ। पाखंड। हिप्पोक्रेसी। यह अन्तरविरोध, सेल्फ कंट्राडिक्शन व्यक्ति को ही नहीं, समाज और देश को भी मार देते हैं। खुद को अलग पैमानों पर खड़ा समझता है। और बाकियों को खुद के ही निर्धारित दूसरे पैमानों पर नीचे खड़ा देखने लगता है। काल्पनिक शक्ति, दंभ के नशे में। वही हाल है। मुद्दा था अमेरिका के साथ इकतरफा डील का। जो रोज अमेरिका की तरफ से ही बताई जाती है। उसी की शर्तें होती है। मगर तुमने उसका विरोध इस तरह से क्यों कर दिया? क्या पहले इस तरह के विरोध नहीं हुए थे? तब हुए थे जब कोई मुद्दा ही नहीं था। केवल विरोध करने के लिए विरोध हुए थे। आज तो मुद्दे से कोई इनकार नहीं कर रहा। मगर जब कामनवेल्थ गेम के समय विरोध किया गया था तब क्या वह जिला स्तरीय खेल थे। अन्तरराष्ट्रीय नहीं? भाजपा ने केवल सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन ही नहीं किए थे। उसके सहारे एक नकली आंदोलन की शुरूआत करके प्रधानमंत्री बनने वाले मोदी ने अभी दो साल पहले जी 20 जो मोदी के प्रधानमंत्री होने के नाते हमारे यहां आयोजित नहीं हुआ था क्रमवार हर देश में होता रहता है उस समय क्या कहा था? कहा था कामलवेल्थ गेम में देश की बदनामी हुई थी।

विरोध करके बदनामी तो आपने करवाई थी। 2010। क्या क्या आरोप लगाए थे। 16 साल हो रहे हैं। इनमें 12 साल आपकी सरकार को। क्या हुआ? घोटाले के कोई सबूत नहीं मिले। कोर्ट ने क्लीन चिट दे दी। फिर आपके उसके खिलाफ प्रदर्शन और अभी जी 20 के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान खुद अपने देश के कामनवेल्थ को लेकर झूठी बदनामी करने क्योंकि उसमें खुद आपकी सरकार कुछ नहीं ढूंढ पाई को क्या कहेंगे? यही हिप्पोक्रेसी है। आपको प्रधानमंत्री पद मिल गया। लेकिन देश कहां पहुंच गया? अमेरिका के शिकंजे में। इसका विरोध करने पर सारा हंगामा खड़ा कर दिया। ऐसे नहीं ऐसे करना था। हम से सीखते। क्या सिखाते? झूठे आरोप लगाकर प्रधानमंत्री बनने का रास्ता। कामनवेल्थ के बाद टूजी लाए। और एक आज तक का सबसे हिप्पोक्रेट आदमी अन्ना हजारे! मनमोहन सिंह के घर में सीबीआई पहुंचाई थी। क्या मिला? बीजेपी सिर्फ इशु को डाइवर्ट करना जानती है। इसमें मीडिया उसका सबसे बड़ा सहयोगी है। बीजेपी का सत्ता में रहना नहीं रहना उसके लिए महत्व नहीं रखता। वह क्लास सिम्पैथी है। वर्गीय सहयोग। दोनों सामान्य जन के विरोधी हैं। सेठ साहूकारों के समर्थक। यूपीए की सरकार के समय 2010 से मीडिया उसका विरोध करने लगा था। कारण सोनिया गांधी की आम जन के हितों की योजनाएं थीं। किसानों की कर्ज माफी से लेकर, मनरेगा, राइट टू इन्फारमेशन, महिला बिल जैसे सारे कार्यक्रम आम लोगों से जुड़े हुए थे। राहुल भी आज आम लोगों की बात करते हैं।

गरमाया देवरिया में शिक्षक की खुदकुशी प्रकरण बीएसए कार्यालय पहुंची जांच कमेटी,मचा हड़कंप

लखनऊ,(संवाददाता)। देवरिया के गौरीबाजार के मदरसन विद्यालय के सहायक अध्यापक कृष्ण मोहन सिंह की खुदकुशी के मामले का शासन ने संज्ञान ले लिया है। शासन के सख्त होते ही लखनऊ व देवरिया की गठित जांच टीम आज सोमवार को सुबह 10 बजे ही बीएसए कार्यालय पहुंच गई टीम ने जांच शुरू कर दी है। एक-एक बिंदुओं की कमेटी जांच कर रही है। जांच के समय बीएसए शालिनी श्रीवास्तव के भी मौजूद रही है। कुशीनगर के कुबेर स्थान थाना क्षेत्र के हरैया बुजुर्ग के रहने वाले कृष्ण मोहन सिंह देवरिया के गौरीबाजार विकास खंड के कृषक लघु माध्यमिकविद्यालय मदरसन में सहायक अध्यापक थे।गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज में अपने भाई के यहां रहते थे। 20 फरवरी की रात उन्होंने फांसी लगा कर जान दे दी थी। उनकी पत्नी गुड़िया सिंह द्वारा गुलरिहा थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक 20 फरवरी को उनके कृष्ण मोहन सिंह को बीएसए कार्यालय में बुलाकर अपमानित किया गया और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। शाम को घर लौटने पर उन्होंने पूरी घटना बताई। वह अत्यंत व्यथित थे। उसी रात उन्होंने घर के निचले कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

लोगों के बीच बढ़ रहा बेबीमून का ट्रेंड, जानें इसके बारे में

बेबीमून कपल के लिए एक खूबसूरत अनुभव है जो माता पिता बनने के उनके भावनात्मक सफर को और खास बना देता है। आइए जानते हैं बेबीमून इतना ज्यादा लोकप्रिय क्यों हो रहा है। हनीमून के बाद बेबीमून पर जाने की क्या जरूरत होती है और बेबीमून पर जाने का सही समय क्या है। शादी के बाद हनीमून का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। लोग अपने पार्टनर संग वक्त बिताने, एक दूसरे को समझने और शादी -समारोह की थकावट दूर करने के लिए घूमने जाते हैं जिसे हनीमून कहते हैं लेकिन अब एक नया ट्रेंड भी कपल के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसका नाम है बेबीमून। शब्द बेबी और हनीमून का मिश्रण है। इसका मतलब है बच्चे के जन्म से पहले माता-पिता द्वारा एक छोटा सा ट्रिप या छुट्टियां बिताना। यह कपल के लिए दूसरे हनीमून की तरह ही होता है लेकिन डिलीवरी से पहले कपल के लिए सेलिब्रेशन का एक खास मौका होता है। इस दौरान महिला को आरामदायक और रोमांटिक माहौल देकर उसे खास महसूस कराया जाता है। बेबीमून कपल के लिए एक खूबसूरत अनुभव है जो माता पिता बनने के उनके भावनात्मक सफर को और खास बना देता है। इस लेख में जानते हैं कि बेबीमून इतना ज्यादा लोकप्रिय क्यों हो रहा है। हनीमून के बाद बेबीमून पर जाने की क्या जरूरत होती है और बेबीमून पर जाने का सही समय क्या है।

क्या है बेबीमून?

बेबीमून एक ऐसी छुट्टी होती है जिसे कपल्स बच्चे के आने से पहले रिलैक्स करने, एक-दूसरे के साथ अकेले खास वक्त बिताने और आने वाले जीवन में बदलावों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने के लिए लेते हैं। यह बच्चे के जन्म से पहले कपल का सेकेंड हनीमून जैसा होता है। बेबीमून व्यस्त और कामकाजी जीवन से ब्रेक का मौका देता है। आजकल की जीवनशैली में लोग हर वक्त व्यस्त रहते हैं। ऐसे में बेबीमून कपल के लिए एक ब्रेक की तरह होता है। इस छुट्टियों में आप माता-पिता बनने की तैयारी कर सकते हैं। यह वह समय होता है जिसे वह एक दूसरे के साथ बिताकर भावनात्मक रूप से मजबूत होते हैं। बच्चे के आने के बाद जीवन काफी व्यस्त हो जाता है। कपल की लाइफ में और रिश्ते में कई बड़े बदलाव होते हैं। ऐसे में बेबीमून उन खास पलों को संजोने या यादगार पल बनाने का मौका देता है।

बेबीमून पर कब जाना चाहिए?

बेबीमून पर जाने की योजना बना रहे हैं तो गर्भवती के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए दूसरी तिमाही के दौरान यात्रा पर जाएं। इस अवधि में महिला का स्वास्थ्य अपेक्षाकृत बेहतर होता है।। इस दौरान गर्भवती प्रेगनेंसी के 14 से 28 सप्ताह के बीच बेहतर महसूस करती हैं। वहीं गर्भावस्था के 37वें सप्ताह में यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।

दिल्ली एनसीआर की इन जगहों पर मनाएं बकरीद का त्योहार

आप भी बकरीद को मजेदार तरीके से सेलिब्रेट करना चाहते हैं तो इस मौके पर परिवार, पार्टनर या दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना बना सकते हैं। दिल्ली एनसीआर के रहने वाले हैं तो इस बार बकरीद को खास तरीके से मनाने के लिए इन जगहों की सैर जरूर करें। मुस्लिम समुदाय का महत्वपूर्ण पर्व ईद-उल-अजहा

जून 2025 में मनाया जा रहा है। ईद-उल-अजहा को बकरीद के नाम से भी जाना जाता है। बकरीद अल्लाह की इबादत, कुर्बानी और त्याग का पर्व है। इस साल बकरीद 6 या 7 जून 2025 को मनाई जाएगी। बकरीद का त्योहार लोग अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर मनाते हैं। देशभर में बकरीद को मुबारक तरीके से मनाया जाता है। इस अवसर पर अवकाश भी रहता है। आप भी बकरीद को मजेदार तरीके से सेलिब्रेट करना चाहते हैं तो इस मौके पर परिवार, पार्टनर या दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना बना सकते हैं। दिल्ली एनसीआर के रहने वाले हैं तो इस बार बकरीद को खास तरीके से मनाने के लिए इन जगहों की सैर जरूर करें।

जामा मस्जिद, दिल्ली

दिल्ली की सबसे प्रसिद्ध मस्जिदों में से एक जामा मस्जिद है। जामा मस्जिद पर बकरीद की नमाज में हजारों लोग जुटते हैं। सुबह की नमाज के बाद मस्जिद के चारों ओर बना बाजार भी जीवंत हो उठता है। ईद-उल-अजहा के मौके पर जामा मस्जिद पर नमाज पढ़ने के साथ ही आसपास की बाजार में परिवार या दोस्तों के साथ घूमने जा सकते हैं।

फतेहपुरी मस्जिद, चांदनी चौक

दिल्ली का चांदनी चौक तो हर वक्त गुलजार रहता है लेकिन बकरीद में यहां आना महिलाओं को खुश कर देगा। पास में ही फतेहपुरी मस्जिद है, जहां लोग नमाज के लिए जा सकते हैं। यहां की नमाज और बाजार का अनुभव एक साथ त्योहार को खास बना देता है। आप यहां से मिठाइयों और सेवइयों की बेहतरीन खरीदारी भी कर सकते हैं।

हजरत निजामुद्दीन दरगाह

त्योहार के मौके पर दिल्ली की हजरत निजामुद्दीन दरगाह पर विशेष दुआ और कव्वालियों का आयोजन होता है। अगर आप बकरीद के दिन एक सूफी अनुभव चाहते हैं तो इस जगह पर जरूर आएं।

शाही ईदगाह, दिल्ली गेट

दिल्ली में ही शाही ईदगाह स्थित है। यहां हजारों लोग एक साथ नमाज अदा करते हैं। माहौल बेहद श्रद्धापूर्ण और भावनात्मक होता है।

परिवार में है छोटा बच्चा तो गर्मियों में न करें ये गलतियां, रखें इन बातों का ध्यान

माता-पिता कुछ ऐसी गलती कर जाते हैं तो बच्चे के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में अगर कोई असामान्य लक्षण दिखे, जैसे बुखार, स्किन रैश या सुस्ती तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आपके घर में नन्हा मेहमान है तो गर्मियों में इन बातों का जरूर ध्यान रखें। गर्मियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तेज धूप, लू और पसीना छोटे बच्चों को जल्दी प्रभावित करता है। ऐसे में माता-पिता को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। गर्मियों में थोड़ा ध्यान और देखभाल नन्हे शिशु को स्वस्थ, सुरक्षित और खुश रख सकती है। हालांकि जाने-अनजाने में माता-पिता कुछ ऐसी गलती कर जाते हैं तो बच्चे के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में अगर कोई असामान्य लक्षण दिखे, जैसे बुखार, स्किन रैश या सुस्ती तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आपके घर में नन्हा मेहमान है तो गर्मियों में इन बातों का जरूर ध्यान रखें। गर्मियों में इन गलतियों से परहेज करें शिशु को गर्मी में मोटा कपड़ा न पहनाएं। उन्हें हल्के सूती और आरामदायक कपड़े पहनाएं ताकि उनका शरीर तापमान के अनुकूल रहे। छोटे बच्चों को लंबे समय तक डायपर पहनाना नुकसानदायक हो सकता है। इससे उन्हें रैशेज और जलन हो सकती है। समय-समय पर हवा लगने दें। बच्चे को तेज धूप में बाहर न ले जों। अगर बाहर जाना है तो नवजात को सुबह 10 बजे से पहले या शाम को ही बाहर ले जाएं। तापमान में अचानक बदलाव से बच्चा बीमार हो सकता है। इसलिए ठंडा पानी न दें और ना ही एयर कंडीशनर में अचानक ले जाएं। छोटे बच्चे के लिए हर चीज सुरक्षित नहीं होती है। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के घरेलू नुस्खे न अपनाएं। बच्चे की देखभाल के जरूरी टिप्स गर्मी में बच्चे को हल्के और ढीले सूती कपड़े पहनाएं। इससे शरीर को हवा मिलती है और बच्चा सहज रहता है। बच्चे को दिन में दो-तीन बार गीले कपड़े से पोंछें या गुनगुने पानी से स्नान कराएं। इससे पसीना और गंदगी हटती है। जिस कमरे में बच्चा रहता है, उसका तापमान सामान्य रखें। न ज्यादा ठंडा और न ज्यादा गर्म। गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए नियमित फीडिंग जरूरी है। इसलिए समय समय पर स्तनपान कराते रहें। इस मौसम में मच्छर भी बढ़ जाते हैं। बच्चे का मच्छरों से बचाव करें। लेकिन बच्चे के आसपास हार्श केमिकल्स वाले मॉस्किटो रिपेलेंट का प्रयोग न करें।

आराम और स्टाइल का बेस्ट कॉम्बिनेशन हैं ये फुटवियर, करें अपने कलेक्शन में शामिल

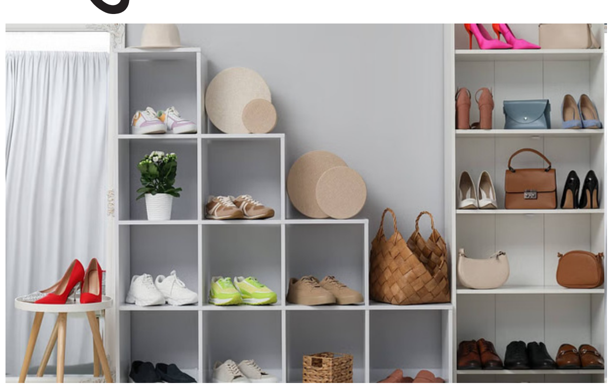

गर्मियों में खुद को कूल और स्टाइलिश बनाए रखने के लिए आप अपने लुक में कई बदलाव लाती हैं। इसमें हल्के और सूती कपड़े पहनना, सफेद, पेस्टल और हल्के शेड्स को चुनना और बालों को पोनीटेल या बन जैसे सिंपल हेयरस्टाइल में बांधना शामिल हैं। लेकिन फुटवियर का क्या? क्या आप ले-देकर वही पुराने स्टाइल के सैंडल और हील्स पहन रही हैं, जो पांव को आराम महसूस नहीं होने देते, तो वक्त है बदलाव का। इस बार अपने समर आउटफिट्स के साथ ऐसे फुटवियर को जोड़ें, जो कूल, स्टाइलिश और आरामदायक हों। आजकल महिलाओं के बीच ओपन टो फ्लैट्स फुटवियर का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। ऑफिस, कॉलेज हो या कैजुअल आउटिंग, हर मौके पर ये परफेक्ट नजर आते हैं। खुले पंजों वाले ओपन टो पैरों को हवा देते हैं, जिससे पसीना और बदबू जैसी समस्याएं दूर रहती हैं। बाजार में यह अलग-अलग रंगों, डिजाइनों और मटेरियल में आसानी से उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपने स्टाइल के अनुसार चुन सकती हैं।

म्यूल्स

बैक ओपन डिजाइन वाले ये स्टाइलिश फुटवियर न केवल पहनने में आरामदायक हैं, बल्कि हर मौके पर परफेक्ट लुक भी देते हैं। इस समय म्यूल्स में फ्लैट्स से लेकर हील्स तक कई ऑप्शन मौजूद हैं। लेदर, वेलवेट, सिंथेटिक और प्रिंटेड डिजाइनों में उपलब्ध ये फुटवियर हर ड्रेस के साथ अच्छे लगते हैं। खास बात यह है कि इन्हें जल्दी पहना और उतारा जा सकता है, जो स्टाइल और सुविधा, दोनों का शानदार कॉम्बिनेशन पेश करते हैं।

स्ट्रैपी फ्लैट सैंडल

गर्मियों के लिए ये बेस्ट हैं। इनका हल्का और आरामदायक डिजाइन पांव को हवा देता है, जिससे गर्मी में भी आराम महसूस होता है। गोल्डन, सिल्वर, प्रिंटेड और ब्राइट कलर्स में उपलब्ध स्ट्रैपी फ्लैट्स वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल आउटफिट्स तक हर स्टाइल के साथ खूबसूरती से मेल खाते हैं। आज ये मॉडर्न महिलाओं की वार्डरोब का एक स्टाइलिश हिस्सा बन चुके हैं, जो हर आउटिंग के लिए आपको परफेक्ट लुक देते हैं।

बेली भी पहली पसंद

गर्मी के मौसम बेली महिलाओं की पहली पसंद होती है। असल में, बेली फ्लैट्स का हल्का वजन और बंद डिजाइन पैरों को धूप और धूल से बचाता है, साथ ही घंटों पहनने पर भी पैरों को थकान महसूस नहीं होती। ये फुटवियर ट्रेडिशनल कुर्तियों से लेकर वेस्टर्न आउटफिट्स तक हर ड्रेस के साथ आसानी से मैच हो जाते हैं। इस समय बाजार में बेली फ्लोरल प्रिंट्स, ब्राइट कलर्स और एम्ब्रॉयडरी डिजाइनों में उपलब्ध है, जो इस मौसम में आराम और फैशन का बेहतरीन विकल्प है।

क्लॉग

इस गर्मी में कूल और ट्रेंडी दिखना है तो क्लॉग्स को ट्राई करें। इनका मोटा सोल और ओपन डिजाइन आरामदायक होने के साथ ही एक स्टाइलिश और कूल लुक देता है। क्लॉग्स को आप जींस, स्कर्ट, शॉर्ट्स या कुर्तियों के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। खास बात है कि इसे लंबे समय तक पहनने पर भी थकान महसूस नहीं होती। वाइब्रेंट कलर्स, कटवर्क डिजाइन और हल्के वजन के कारण ये युवतियों के बीच खासे पॉपुलर हो रहे हैं।

स्लिप-ऑन स्नीकर्स

अगर आप जूते पहनना ज्यादा पसंद करती हैं तो स्लिप-ऑन स्नीकर्स आपके लिए ही हैं। गर्मियों के लिए ये एक बेहतरीन विकल्प हैं, क्योंकि इनका मटेरियल हल्का और सांस लेने योग्य होता है, जिससे पसीना कम आता है और पैरों से बदबू नहीं आती। ये स्नीकर्स जींस, ट्रैक पैंट्स, ड्रेसेज या कैजुअल वियर के साथ शानदार दिखते हैं। वाइब्रेंट कलर, मिनिमल डिजाइन और ट्रेंडी लुक के कारण ये युवा पीढ़ी की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

देर रात तक जागने वालों का दिमाग हो रहा है खोखला, भुलक्कड़ नहीं बनना है तो सुधार लो ये आदत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग देर रात तक जागते हैं -चाहे मोबाइल चलाने के लिए हो, काम का बोझ हो या नींद न आने की आदत। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नींद पूरी न करना न सिर्फ थकावट लाता है, बल्कि दिमाग और शरीर दोनों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, खासकर याद्दाश्त (मेमोरी) पर असर डालता है। चलिए जानते हैं नींद की कमी इंसान के लिए कितनी

खतरनाक है। हालिया अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग लगातार देर रात तक जागते हैं और 6 घंटे से कम सोते हैं, उनमें भूलने की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। नींद के दौरान हमारा दिमाग दिनभर की चीजों को याददाश्त में सुरक्षित करता है, और जब नींद पूरी नहीं होती, तो ये प्रक्रिया बाधित होती है। ऐसे में चीजें भूलने की आदत बढ़ती है (जैसे चाबी, मोबाइल, नाम भूल जाना)।

दिल और हाई ब्लड प्रेशर की समस्याः देर रात तक जागने से हार्ट पर दबाव बढ़ता है, इससे हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा रहता है।

वजन बढ़ना और मेटाबोलिज्म बिगड़नाः नींद पूरी न होने पर भूख के हार्मोन गड़बड़ाते हैं, जिससे ओवरईटिंग और मोटापा होता है

इम्यून सिस्टम कमजोर होता हैः नींद पूरी न होने पर इंसान बार-बार बीमार पड़ता है।

मूड स्विंग और मानसिक तनावः इससे चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं भी बढ़ती हैं।

आंखों और त्वचा पर असरः अच्छी नींद न लेने पर डार्क सर्कल, थकी हुई त्वचा और आंखों में जलन की समस्या रहती है।

सही नींद कब और कितनी लें?

वयस्कों के लिए हर दिन 7द8 घंटे की गहरी नींद जरूरी है। रात में10 बजे से पहले सोना और सुबह जल्दी उठना आदर्श माना जाता है। हर दिन एक जैसा सोने और जागने का समय रखें। देर रात तक जागना एक फैशन बन गया है, लेकिन इसका असर आपकी मेमोरी, मानसिक संतुलन और शरीर की कार्यक्षमता पर पड़ता है। अगर आप सचमुच फिट और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो समय पर सोना और पर्याप्त नींद लेना बेहद जरूरी है।

बारिश में भीगने के बाद हो रही खुजली तो ये घरेलू नुस्खे अपनाएं, तुरंत मिलेगा आराम

यदि आपके शरीर में बारिश में भीगने के बाद खुजली होने लगती है तो कुछ नुस्खे आजमाकर देख लें। इन घरेलू नुस्खों से आपको तत्काल राहत मिलेगी। वैसे तो बारिश का मौसम अपने साथ काफी खुशियां लेकर आता है, लेकिन कई बार इसी मौसम की वजह से काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी होती है उन लोगों को जिनकी त्वचा संवेदनशील होती है। बारिश के इस मौसम में थोड़ा सा भी भीगने से उनकी त्वचा पर खुजली होने लगती है। यही खुजली आगे जाकर फंगल इंफेक्शन का कारण भी बन जाती है। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आप अपने घर बैठे ही बिना दवाईयों से इस खुजली से राहत पा सकते हैं। इसके लिए आपको बस कुछ आसान नुस्खे आजमाने होंगे।

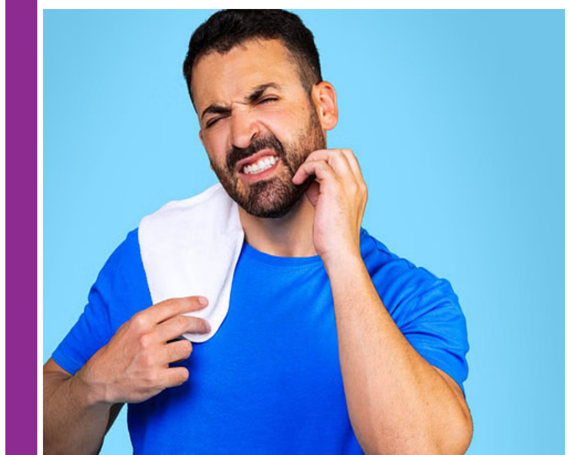

नीम के पानी से नहाएं

यदि आपके घर के आस-पास कहीं नीम का पेड़ है तो उससे नहाकर आप इस खुजली को दूर कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले नीम की पत्तियों को पानी में उबाल लें। अब इस पानी को छानकर ठंडा होने दें। जब ये ठंडा हो जाए तो इसी पानी से नहाएं। नीम में मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण शरीर की खुजली को गायब कर देंगे। चाहें तो नीम के पानी को रुई की मदद से भी शरीर पर लगा सकते हैं। इससे भी आपको तत्काल राहत मिलेगी।

एलोवेरा जेल लगाएं

यदि आपको इस खुजली से तुरंत राहत चाहिए तो एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। घर में मौजूद एलोवेरा जेल भी बारिश के गंदे पानी से होने वाली खुजली को दूर करने का काम करेगा। इसके लिए यदि आप ताजा एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करेंगे तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा। ताजा एलोवेरा जेल में भी ठंडक और हीलिंग वाले गुण होते हैं, जो त्वचा की खुजली को तत्काल सही करने में आपकी मदद करेंगे।

कपूर और नारियल का तेल

यदि आपको लग रहा है कि त्वचा कि ये खुजली लगातार बढ़ती जा रही है तो कपूर और नारियल का तेल भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ा सा नारियल का तेल लेकर उसमें एक चुटकी पिसा हुआ कपूर मिक्स करें। अब इसे रुई की मदद से अपनी स्किन पर लगाएं।

हिल स्टेशनों की स्वच्छ हवा को न करें खराब

पर्यावरण बचाने के लिए करें ये काम

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2025 को मनाया जा रहा है। संपूर्ण परिवेश जिसके इर्द-गिर्द हम रहते हैं, वह पर्यावरण है। पर्यावरण हमें जीवन जीने के लिए जरूरी तत्व प्रदान करता है। लेकिन हम उन घटकों का गलत तरीके से दोहन कर रहे हैं, जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। स्वच्छ वायु और प्रकृति की तलाश में लोग हिल स्टेशनों की ओर रुख करते हैं। इन हिल स्टेशनों पर लोग गर्मियों से राहत पाने के लिए जाते हैं लेकिन यहां बढ़ती भीड़ और लापरवाही पूर्ण व्यवहार इन शांत, स्वच्छ स्थानों को प्रदूषित करने काम करता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति के निकट इन हिल स्टेशनों पर जाकर इन्हें भी सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखना हर यात्री का कर्तव्य है। अगर आप इस बार गर्मियों में हिल स्टेशन जाने का प्लान बना रहे हैं तो वहां की ताजगी को बनाए रखने में अपना योगदान जरूर दें।आपके छोटे-छोटे प्रयास किसी हिल स्टेशन की ताजगी को सालों तक बनाए रख सकते हैं।

क्यों जरूरी है हिल स्टेशनों की स्वच्छता बनाए रखना?

हिल स्टेशन प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं, जहां कई दुर्लभ वनस्पति और जीव-जंतु पाए जाते हैं। इसके संरक्षण के लिए इन स्थानों की स्वच्छता और सही देखभाल जरूरी है। लोग पहाड़ों पर शुद्ध हवा और हरियाली के लिए जाते हैं। यहां की शुद्ध हवा और हरियाली मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। पहाड़ों पर इसका अस्तित्व बना रहना चाहिए। लगातार बढ़ते पर्यटन दबाव और प्लास्टिक प्रदूषण से ये स्थल तेजी से बर्बाद हो रहे हैं। झीलों और जंगलों में प्लास्टिक और गंदगी इन स्थानों की सुंदरता को तो बर्बाद करते ही हैं, साथ ही शुद्धता को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

प्लास्टिक से दूरी

प्लास्टिक पर्यावरण को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाती है और सालों तक पर्यावरण को प्रभावित कर सकती है। पानी की बोतल, खाने के पैकेट या चिप्स के रैपर जैसे सिंगल यूज प्लास्टिक से बचें। यात्रा पर स्टील या ग्लास की बोतल लेकर जाएं।

कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें

अक्सर यात्री सफर के दौरान अपने साथ खाने-पीने का सामान ले जाते हैं। घूमते-फिरते हैं और कूड़ा वहीं फेंक देते हैं। यहीं हिल स्टेशनों की सुंदरता को खराब करता है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। जहां भी जाएं अपने पीछे साफ-सफाई जरूर रखें। ट्रेकिंग या पिकनिक के बाद कूड़े को साथ लेकर लौटें।

स्थानीय साधनों का इस्तेमाल

खुद की गाड़ी से सफर करना सुविधाजनक हो सकता है लेकिन यह वायु प्रदूषण का कारक है। बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन कार्बन उत्सर्जन कर रहे हैं जो आबोहवा को खराब करता है। इसलिए स्थानीय बस, टैक्सी या साझा सवारी का उपयोग करें ताकि कार्बन उत्सर्जन कम हो।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा

जिस स्थल पर जा रहे हैं, वहां के हस्तशिल्प, जैविक उत्पाद और लोकल फूड को खरीदें। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। बेहतर अर्थव्यवस्था पर्यावरण सरंक्षण के लिए जरूरी व्यय करने में मददगार होती है।

जंगल और नदी की स्वच्छता

पिछले कुछ वर्षों में कैंपिंग, ट्रैकिंग और जंगल सफारी का चलन बढ़ा है। अब लोग सिर्फ पर्यटन स्थलों को घूमने नहीं जाते, बल्कि वहां के माहौल के मुताबिक रहने भी जाते हैं। कैंपिंग, ट्रैकिंग के लिए लोग जंगलों की ओर रुख करते हैं। नदियों और झीलों में नौकाविहार का लुत्फ उठाते हैं। हालांकि इस दौरान वह पानी के स्त्रोत और जंगलों में कूड़ा फैलाकर गंदगी भी बढ़ाते हैं। ऐसा करने से बचें।

पेड़-पौधों को नुकसान न पहुंचाएं

सबसे जरूरी है पेड़ पौधों और हरियाली को बढ़ाएं, ना कि उनको नुकसान पहुंचाएं। हालांकि पर्यटक सेल्फी के चक्कर में फूल तोड़ना या पेड़ों पर नाम लिखना जैसे कार्य करते हैं जो प्रकृति के साथ अन्याय है।

2 शातिर चोर गिरफ्तार,20 लाख के जेवर बरामद

लखनऊ,(संवाददाता)। मड़ियांव पुलिस ने 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार करके चोरी की 2 घटनाओं का खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 20 लाख के जेवर और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। पुलिस आरोपियों से अन्य घटनाओं की जानकारी कर रही है। एडीसीपी नार्थ ऋषभ रुणवाल ने बताया 7 दिसंबर 2025 को प्रीतिनगर अन्ना मार्केट निवासी सतीष गुप्ता ने घर का ताला तोड़कर जेवर और नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद 16 फरवरी 2026 को एक अन्य महिला ने घर की खिड़की व लॉकर तोड़कर जेवर और नकदी चोरी किए जाने की तहरीर दी थी। दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मड़ियांव पुल के नीचे से लाल टीवीएस राइडर बाइक के साथ 2 आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अन्ना मार्केट निवासी सोनू वर्मा उर्फ बोगा (42) और सेमरा गौढ़ी, मड़ियांव निवासी सुन्दर लाल गुप्ता (40) के रूप में हुई। दोनों ने पूछताछ में दोनों चोरी की वारदात कबूल की। आरोपियों के खिलाफ लखनऊ के अलग-अलग थानों में चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। एक अन्य फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी सब्जी फेरी लगाकर सब्जी बेचते थे। इस दौरान घरों की रेकी करते थे।

शीर्ष क्रम फेल उपकप्तान अक्षर को बाहर कर सुंदर को जगह इन सात वजहों से हारा भारत

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 76 रन से हार मिली। टॉप ऑर्डर की नाकामी, साझेदारी का अभाव, स्पिन गेंदबाजी की कमजोरी, अक्षर पटेल को बाहर करने का फैसला और डेथ ओवरों में महंगे रन हार के मुख्य कारण रहे। टीम को आगे बेहतर संतुलन और रणनीति अपनानी होगी। भारत को टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा। 22 फरवरी 2026 को अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिखर गई। बल्लेबाजी में खराब शॉट चयन, साझेदारियों की कमी और गेंदबाजी में मध्य ओवरों की कमजोरी हार के बड़े कारण बने। भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर सिमट गई। आइए जानते हैं इस हार के पांच मुख्य कारण 1. टॉप ऑर्डर का पूरी तरह फ्लॉप होना भारत की हार की शुरूआत शीर्ष क्रम की नाकामी से हुई। सलामी बल्लेबाज ईशान बिना खाता खोले आउट हो गए, जिससे टीम पर शुरूआती दबाव आ गया। इसके बाद तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरूआत तो की, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। पावरप्ले में विकेट गिरने से रन गति भी प्रभावित हुई और मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव बन गया। शीर्ष क्रम दक्षिण अफ्रीका का भी फेल हुआ था और टीम ने 20 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मध्यक्रम फॉर्म में होने की वजह से दक्षिण अफ्रीका ने अच्छा स्कोर खड़ा किया। वहीं, भारतीय टीम लगातार विकेट गंवाती चली गई। 51 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। शिवम दुबे को छोड़कर कोई भी नहीं चला। 2. साझेदारियों का अभाव और जल्दबाजी 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय धैर्य की आवश्यकता थी, लेकिन भारतीय बल्लेबाज आक्रामकता दिखाने के प्रयास में लगातार गलत शॉट खेलते रहे। कोई भी जोड़ी लंबी साझेदारी नहीं बना सकी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने परिस्थिति के अनुसार खेल दिखाने के बजाय जोखिम भरे शॉट खेले, जिससे रन चेज कभी पटरी पर नहीं आ पाया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय साझेदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है, जिसकी कमी साफ नजर आई। भारत के 10 विकेट कैच आउट से गिरे। कोई भी बोल्ड या रन आउट नहीं हुआ। यह दिखाता है कि खिलाड़ियों ने विकेट तोहफे के रूप में दिए। 3. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह ने अपना काम कर दिया था। 20 रन पर द. अफ्रीका के तीन विकेट गिर चुके थे। इसके बाद भारतीय स्पिन आक्रमण से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवरों में 47 रन (सिर्फ एक विकेट लिए) खर्च कर दिए, जिससे दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम को खुलकर खेलने का मौका मिला। खासकर डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाते हुए पारी को संभाला और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मध्य ओवरों में विकेट नहीं मिलना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। चौथे ओवर में तीसरा विकेट गिरने के बाद दक्षिण अफ्रीका का चौथा झटका 13वें ओवर में जाकर लगा। वॉशिंगटन सुंदर ने सिर्फ दो ओवर गेंदबाजी की। 4. टीम चयन पर सवाल इस मुकाबले में टीम मैनेजमेंट ने बहुत बड़ी गलती करते हुए उपकप्तान अक्षर पटेल को ही बेंच पर बैठा दिया। उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका देने का फैसला उल्टा पड़ गया। सुंदर अपने दो ओवरों में प्रभाव नहीं छोड़ सके और रन रोकने में नाकाम रहे। अक्षर की अनुपस्थिति से टीम को न तो अतिरिक्त बल्लेबाजी गहराई मिली और न ही कसी हुई गेंदबाजी। बल्ले से सुंदर सिर्फ 11 रन का योगदान दे सके। सुंदर का चयन आलोचकों के निशाने पर है। भारतीय टीम जहां इस मैच में चार तेज गेंदबाज और दो स्पिनर के साथ उतरी और दो स्पिनरों से ही गेंदबाजी कराई और स्पिनर्स सिर्फ एक विकेट ले सके, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी दो ही स्पिनरों से गेंदबाजी कराई। एडेन मार्करम ने एक ओवर में पांच रन देकर एक विकेट लिया और केशव महाराज ने तीन ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके। यहीं मैच पलट गया। महाराज के अलावा यानसेन ने चार विकेट झटके।

सुपर-8 के पहले मैच में हार से बिगड़ा भारत का गणित: नेट रन रेट बना नई टेंशन सेमीफाइनल के लिए पूरा समीकरण समझिए

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद भारत सुपर-8 ग्रुप में आखिरी स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -3.800 हो गया है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी हार या करीबी जीत से मामला नेट रन

रेट पर अटक सकता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में पहले ही मैच भारत की हार निराशाजनक रही। अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने 76 रन से करारी शिकस्त दी। इस हार ने न सिर्फ अंक तालिका में भारत को पीछे धकेला, बल्कि नेट रन रेट (ठफ्फ़) पर भी गहरी चोट पहुंचाई। सुपर-8 के दो ग्रुप हैं और दोनों ग्रुप में चार-चार टीमें हैं। हर ग्रुप से शीर्ष-दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। अंक तालिका की मौजूदा तस्वीर सुपर-8 ग्रुप 1 में दक्षिण अफ्रीका दो अंकों और +3.800 के शानदार नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत एक मैच में हार के बाद शून्य अंक और -3.800 ठफ्फ़के साथ सबसे नीचे खिसक गया है। -3.800 नेट रन रेट का मतलब है कि भारत को अगले दोनों मैच भारी अंतर से जीतने होंगे। हालांकि, दोनों मैच में जीत भी भारत को सेमीफाइनल की गारंटी नहीं देता है। सुपर-8 ग्रुप-1 की बाकी दो टीमें, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे आज एक-दूसरे के खिलाफ अपने सुपर-8 अभियान की शुरूआत करेंगी। स्पष्ट है कि भारत के लिए अपना और ग्रुप की दूसरी टीमों का भी, यानी आगे का हर मैच निर्णायक बन चुका है। टीम इंडिया को कैसे मिली हार? दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 187/7 का मजबूत स्कोर बनाया। डेविड मिलर (63) और डेवाल्ड ब्रेविस (45) ने मध्य ओवरों में तेज रन बटोरकर भारत को बैकफुट पर ला दिया। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 3/15 की बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन अन्य गेंदबाज लय में नहीं दिखे। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यकुमार की कप्तानी वाली टीम कभी भी मुकाबले में नियंत्रण बनाती नजर नहीं आई। पूरी टीम 111 रन पर सिमट गई। मार्को यानसेन ने चार विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। समीकरण नंबर-1: दक्षिण अफ्रीका अपने तीनों मैच जीते और भारत बाकी दोनों मैच जीत ले भारत को अब वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने दोनों शेष मुकाबले जीतने होंगे। जिम्बाब्वे से भारत का सामना 26 फरवरी को चेन्नई में और वेस्टइंडीज से भारत का सामना एक मार्च को कोलकाता में है। यदि भारत दोनों मैच जीतता है, तो उसके चार अंक हो जाएंगे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका अपने दोनों मैच जीतता है तो उसके छह अंक होंगे और टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। ऐसे में भारत के लिए चार अंक सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त होंगे। क्योंकि बाकी दोनों टीमें अधिकतम दो-दो अंक तक ही रह पाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने का यह सबसे आसान समीकरण है। समीकरण नंबर-2: सबसे बड़ा पेच यहीं फंसेगा, नेट रन रेट का खेल होगा फिर हालांकि, सबसे बड़ा पेच तब फंसेगा, जब दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बाकी दो में से सिर्फ एक मैच जीतती है और वेस्टइंडीज या जिम्बाब्वे में से कोई टीम दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है। ऐसे में तीन टीमें 4-4 अंकों पर पहुंच सकती हैं। तब फैसला नेट रन रेट से होगा। भारत का मौजूदा नेट रन रेट (-3.800) काफी कमजोर है, इस स्थिति में भारत को बाकी दोनों मैचों में बड़ी जीत की जरूरत होगी। दक्षिण अफ्रीका चोकर्स माने जाते हैं और जिम्बाब्वे या वेस्टइंडीज की टीम फंसा सकती है। समीकरण नंबर-3: द. अफ्रीका बाकी दोनों मैच हारे, भारत दोनों मैच जीते अगर दक्षिण अफ्रीका अपने बाकी दोनों मैच हार जाता है, तो इस स्थिति में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज दोनों के दो-दो अंक तय हो जाएंगे, जबकि दक्षिण अफ्रीका दो ही अंकों पर सिमट कर रह जाएगा। इस स्थिति में अगर भारत जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज दोनों को हरा देता है तो टीम इंडिया के चार अंक पक्के हो जाएंगे। फिर जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के बीच आज होने वाला मैच नॉकआउट की तरह काम करेगा। आज जो टीम जीतेगी, वह चार अंक लेकर भारत के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी। समीकरण नंबर-4: भारत अगर एक मैच जीतता है तो राह कठिन, लेकिन नामुमकिन नहीं अगर भारत सिर्फ एक मुकाबला जीत पाता है, तो स्थिति और जटिल हो जाएगी। दक्षिण अफ्रीका को अपने दोनों मैच जीतने होंगे। भारत की जीत वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे मैच के विजेता के खिलाफ होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे तीनों के 2-2 अंक हो सकते हैं। तब एक बार फिर नेट रन रेट ही निर्णायक कारक बनेगा। इस स्थिति में भारत का भविष्य पूरी तरह अन्य टीमों के परिणामों और बड़े अंतर से जीत पर निर्भर करेगा।

टीम इंडिया की ओपनिंग जोड़ी क्यों हो रही फेल? पांच मैचों में सिर्फ 34 रन की साझेदारी

अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की ओपनिंग जोड़ी लगातार फ्लॉप रही है। पांच मैचों में सलामी बल्लेबाज मिलकर सिर्फ 34 रन जोड़ सके। ईशान किशन और अभिषेक शर्मा की अच्छी

शुरूआत देने में नाकामी से टीम दबाव में है। प्लेइंग-11 में बदलाव और दाएं-बाएं बल्लेबाजों के असंतुलन ने भी टीम की रणनीति को कमजोर किया है। टीम इंडिया के लिए ओपनिंग जोड़ी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। रविवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में भी भारत की सलामी जोड़ी ने फैंस को निराश किया। भारत को टी20 वर्ल्ड कप के पांच मुकाबलों में सलामी जोड़ी ने महज 34 रन दिलाए हैं। इनमें चार मैचों में ईशान-अभिषेक की जोड़ी और एक मैच में ईशान-सैमसन की जोड़ी शामिल है। नामीबिया के खिलाफ अभिषेक नहीं खेले थे और सैमसन ने ओपनिंग की थी। ईशान-अभिषेक का जादू नहीं चल रहा दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी मैदान पर उतरी। हालांकि, ईशान की पारी का अंत सिर्फ चार गेंदों में हो गया और भारतीय टीम की सलामी जोड़ी स्कोरबोर्ड पर एक रन भी नहीं लगा सकी। विकेटकीपर-बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौटा। वहीं, अभिषेक 15 रन बनाकर आउट हुए। यह हाल सिर्फ इस मैच का नहीं है, बल्कि अब तक खेले गए पांच मुकाबलों में भारत की सलामी जोड़ी का यही हश्र रहा है। आइए जानते हैं अमेरिका के खिलाफ टूनार्मेंट के पहले मैच में अभिषेक और ईशान किशन पारी का आगाज करने मैदान पर उतरे थे। हालांकि, यह साझेदारी सिर्फ आठ रनों तक ही चल सकी और अभिषेक बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए थे। नामीबिया के खिलाफ अभिषेक के बीमार होने की वजह से ईशान किशन को संजू सैमसन के रूप में नया जोड़ीदार मिला था। हालांकि, नतीजा कुछ खास नहीं रहा। ईशान ने तो इस मैच में 61 रन जड़े, लेकिन संजू आठ गेंदों में 22 रन बनाने के बाद चलते बने। नतीजा यह हुआ कि भारत की ओपनिंग साझेदारी 25 के स्कोर पर टूट गई। पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा प्लेइंग इलेवन में लौटे और वह ईशान किशन के साथ पारी का आगाज करने उतरे। इस बार टीम इंडिया की सलामी जोड़ी महज एक रन बनाकर टूट गई। ईशान ने तो ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए 40 गेंदों में 77 रन बनाए, लेकिन अभिषेक बिना खाता खोले आउट हुए। ओपनिंग साझेदारी के विफल होने की कहानी नीदरलैंड के खिलाफ भी नहीं बदली। अभिषेक और ईशान ने मिलकर पहले विकेट के लिए एक रन तक नहीं जोड़ सके। अभिषेक जीरो पर आउट हुए, जबकि ईशान 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अगर सिर्फ ईशान और अभिषेक की जोड़ी की बात करें तो इन दोनों ने इस टी20 विश्वकप में चार मैचों में सिर्फ नौ रन की साझेदारी की है। एक में सैमसन और ईशान ने 25 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी। क्या एकसाथ नहीं जम पा रहे ईशान-अभिषेक? सलामी जोड़ी के लगातार नाकाम होने से भारतीय टीम की चिंता बढ़ गई है। टीम इंडिया को अगर अपनी ही सरजमीं पर खिताब का बचाव करना है, तो अभिषेक और ईशान की जोड़ी को आने वाले मैचों में ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करनी होगी। यह इसलिए भी चिंता का विषय है क्योंकि अभिषेक ने पिछले साल दिसंबर तक या तो संजू सैमसन और या फिर शुभमन गिल के साथ ही ओपनिंग की है। क्या सैमसन की वापसी होनी चाहिए? जनवरी में ईशान किशन ने वापसी की तो उन्हें तीसरे या फिर चौथे नंबर पर भेजा गया। जब आपकी तैयारी कुछ उस तरह की रही हो और ऐन मौके पर टीम मैनेजमेंट जोड़ी बदल दे तो भी ध्यान भंग हो सकता है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को भी इस पर विचार करना चाहिए कि क्या संजू को वापस लाकर ईशान को तीसरे नंबर पर खिलाना चाहिए?

चार साल बाद वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे होंगे आमने-सामने, भारत की नजर भी इस मुकाबले पर रहेगी

मुंबई। 2022 के बाद से टी20 फॉर्मेट में दोनों टीमें कभी एक दूसरे के सामने नहीं आई हैं। यानी चार साल बाद दोनों टीमें इस प्रारूप में आमने-सामने होंगी। टी20 विश्व कप 2026 में सोमवार को सुपर-8 राउंड का सिर्फ एक मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले में सुपर-8 ग्रुप-1 की दो टीमें वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। यह मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम खेला जाएगा। मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा और टॉस इससे आधे घंटे पहले याने शाम साढ़े छह बजे होगा। इस मैच पर भारत की भी नजरें होंगी। समीकरण कुछ ऐसे बन रहे कि यह मैच अंत में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। चार साल बाद आमने-सामने वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के बीच अब तक कुल चार टी20 मैच खेले गए हैं। वेस्टइंडीज ने तीन मैचों में जीत हासिल की है, जबकि जिम्बाब्वे एक बार विजयी रही है। टी20 विश्वकप में दोनों टीमें एक बार भिड़ी हैं। 2022 में होबार्ट में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 31 रन से जीत दर्ज की थी। 2022 के बाद से टी20 फॉर्मेट में दोनों टीमें कभी एक दूसरे के सामने नहीं आई हैं। यानी चार साल बाद दोनों टीमें इस प्रारूप में आमने-सामने होंगी ग्रुप स्टेज में दोनों का शानदार प्रदर्शन वेस्टइंडीज की टीम टी20 फॉर्मेट की तगड़ी टीम मानी जाती है। दो बार विश्व कप जीत चुकी वेस्टइंडीज ग्रुप स्टेज में शीर्ष स्थान पर रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। वहीं, जिम्बाब्वे ने भी इस विश्व कप में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है और ऑस्ट्रेलिया के साथ सह-मेजबान श्रीलंका को मात देते हुए अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में बेहतर संतुलित और सटीक दिखी है। ऐसे में सोमवार की शाम को एक बेहद रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। वानखेड़े की पिच क्या कहती है? वानखेड़े की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। पिच पर बाउंस सही होता है और गेंद बल्ले पर आसानी से आती है। तेज गेंदबाजों को नई गेंद से स्विंग और सीम मिल सकती है। पारी बढ़ने के साथ ही हालात आसान हो जाते हैं। मैच के दौरान मौसम सामान्य रहेगा। बारिश की कोई संभावना नहीं है। वानखेड़े में कुल 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। वानखेड़े का सबसे बड़ा स्कोर 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने ही बनाया था। भारतीय टीम ने नौ विकेट पर 247 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज वानखेड़े में पांच मैच खेल चुकी है और चार में विजयी रही है। वेस्टइंडीज का इस स्टेडियम में सबसे बड़ा स्कोर भारत के खिलाफ 196/3 है। जिम्बाब्वे पहली बार इस स्टेडियम में टी20 मैच खेलेगी। शानदार फॉर्म में चल रहे ब्रायन बेनेट जिम्बाब्वे को इस मैच में सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट से अच्छी पारी की उम्मीद रहेगी। बेनेट तीन मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 175 रन बना चुके हैं। वहीं, ब्लेसिंग मुजरबानी तीन मैचों में नौ विकेट लेकर टीम के शीर्ष गेंदबाज हैं। इन दोनों के अलावा टीम के कप्तान सिकंदर रजा का रोल बेहद अहम होगा। होल्डर से भी रहेंगी उम्मीदें वेस्टइंडीज के लिए चार मैचों में होल्डर ने सर्वाधिक सात विकेट लिए हैं। वहीं, कप्तान शाई होप चार मैचों में 175 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर हैं। इसके अलावा, शेरफेन रदरफोर्ड, अकील हुसैन और रोमारियो शेफर्ड भी वेस्टइंडीज के लिए अहम होंगे।

द. अफ्रीका से हार के बाद क्या लिया जाएगा बड़ा फैसला: टीम इंडिया से बाहर होंगे फ्लॉप बल्लेबाज

नई दिल्ली। सुपर-8 में हार के बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट कम से कम एक आउट-ऑफ-फॉर्म बल्लेबाज को बाहर करने पर विचार कर रहा है। अभिषेक, तिलक और रिंकू की फॉर्म चिंता का विषय है। संजू सैमसन की वापसी पर चर्चा हो रही है। कोचों ने साफ किया कि अब सिर्फ प्रदर्शन ही टीम संयोजन तय करेगा। सुपर-8 में 76 रन की करारी हार के बाद भारतीय टीम में मंथन तेज हो गया है। टीम मैनेजमेंट अब कम से कम एक आउट-ऑफ-फॉर्म बल्लेबाज को बाहर करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी कोच रेयान टेन डेशकाटे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने संकेत दिए हैं कि अगले मैच में प्लेइंग-11 में बदलाव संभव है। भारत को अब सुपर-8 राउंड में 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से चेन्नई में और एक मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से खेलना है। फ्लॉप फॉर्म पर बढ़ी चिंता सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम के शीर्ष क्रम पर सवाल उठे हैं। अभिषेक शर्मा ने चार मैचों में सिर्फ 15 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा के पांच मैचों में 107 रन जरूर हैं, लेकिन स्ट्राइक रेट 118 रहा है। फिनिशर रिंकू सिंह का 29 गेंदों में 24 रन (स्ट्राइक रेट 82.75) भी निराशाजनक है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट के पास बदलाव पर विचार करने के अलावा विकल्प कम बचते दिख रहे हैं। कोचिंग स्टाफ ने क्या कहा? बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने साफ कहा, 'अगर हेड कोच और टीम मैनेजमेंट को लगता है कि हमें कुछ अलग करना चाहिए, तो हम बदलाव करेंगे। अब हम उस मोड़ पर हैं जहां सोचना होगा कि क्या बदलें और कैसे बदलें।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह तय करना होगा कि क्या उसी संयोजन के साथ जाएं या कुछ नया आजमाएं।' डेशकाटे का बयान वहीं, रेयान टेन डेशकाटे ने संकेत दिया कि दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संतुलन पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, 'क्या हम उन्हीं खिलाड़ियों के साथ बने रहें जिन्होंने पिछले 18 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है या फिर संजू को मौका दें, जो एक शानदार खिलाड़ी हैं और रणनीतिक तौर पर टॉप ऑर्डर में दाएं हाथ का विकल्प देते हैं?' उन्होंने यह भी जोड़ा, 'अगले दो अहम मुकाबलों से पहले यह निश्चित तौर पर चर्चा का विषय रहेगा।' रिंकू को लेकर क्या बोले कोच? डेशकाटे के इस बयान के बाद संभावना जताई जाने लगी है कि सुपर-8 के अगले दो मैचों में अभिषेक या तिलक की जगह संजू सैमसन एक बार फिर से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। टीम में विशेषज्ञ बैकअप बल्लेबाजों की कमी भी चिंता का विषय है। दाएं हाथ के बल्लेबाज को शामिल कर टॉप ऑर्डर की एकरूपता तोड़ी जा सकती है। रिंकू सिंह के संदर्भ में टेन डेशकाटे ने कहा, 'नंबर सात-आठ पर बल्लेबाजी करना बेहद मुश्किल होता है। रिंकू को ज्यादा मौके नहीं मिले हैं, लेकिन अब समय प्रदर्शन का है। नेट्स में लय की बात करने का कोई फायदा नहीं।' अभिषेक और तिलक पर खास नजर टेन डेशकाटे ने अभिषेक की तैयारी पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैं अभिषेक के लिए बहाने नहीं बनाऊंगा, लेकिन फूड पॉइजनिंग ने उनकी तैयारी पर असर डाला। जब आप तीन बार शून्य पर आउट होते हैं, तो दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।'

प्लेइंग-11 में अक्षर के बदले सुंदर क्यों: क्या कोच डेशकाटे अपने ही जवाब से फंसे

अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद अक्षर पटेल को प्लेइंग-11 से बाहर रखने का फैसला चर्चा में है। सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने बताया कि टीम ने पावरप्ले में बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ ऑफ स्पिन विकल्प के कारण वॉशिंगटन सुंदर को तरजीह दी। हालांकि सुंदर का प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा और भारत की सेमीफाइनल की राह कठिन हो गई है। टी20 विश्वकप 2026 में रविवार को भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने सुपर-8 मुकाबले में टीम इंडिया को 76 रनों से हराया। इस हार से सेमीफाइनल में पहुंचने की राह कठिन हो चुकी है। हार के बाद टीम की प्लेइंग-11 को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा ऑलराउंडर अक्षर पटेल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने को लेकर है। अब भारत के सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने अक्षर पर सफाई दी है और जो उन्होंने कहा है, उससे वह खुद ही निशाने पर आ गए हैं। डेशकाटे ने क्या सफाई दी? डेशकाटे ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अक्षर पटेल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने के पीछे टीम इंडिया की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'टीम कॉम्बिनेशन और साउथ अफ्रीका के टॉप ऑर्डर में कई बाएं हाथ के बल्लेबाज होने की वजह से यह फैसला काफी सोच-विचार के बाद लिया गया। बाएं हाथ के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक, रेयान रिकल्टन और डेविड मिलर टीम इंडिया के लिए बड़े खतरे थे। ऐसे में टीम ने ऑफ स्पिन विकल्प को प्राथमिकता दी, जो पावरप्ले में उपयोगी साबित हो सके। हमें लगा कि पावरप्ले में वॉशिंगटन अक्षर की तुलना में ज्यादा प्रभावी गेंदबाज हो सकते हैं। इस वजह से उन्हें मौका दिया गया।' बयान से क्यों सवालों में डेशकाटे? डेशकाटे के बयान इसलिए सवालों के घेरे में है क्योंकि अगर बाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ सुंदर कारगर हैं तो उन्हें पावरप्ले में एक भी ओवर गेंदबाजी क्यों नहीं मिली। वह सातवें ओवर में जाकर बॉलिंग अटैक पर लगाए गए। डिकॉक और रिकेल्टन को अर्शदीप और बुमराह ने पवेलियन भेज दिया था। फैंस पूछ रहे हैं कि क्या भारतीय टीम को अपने तेज गेंदबाजों पर भरोसा नहीं था? साथ ही दक्षिण अफ्रीका की तरह सुंदर पहले ही ओवर में गेंदबाजी के लिए क्यों नहीं आए, जिस तरह एडेन मार्करम ने भारत के दो सलामी बल्लेबाजों के खिलाफ पहले ही ओवर में गेंदबाजी की और ईशान किशन को आउट किया। मिलर पांचवें ओवर में ही मैदान पर आ चुके थे। इसके बावजूद सुंदर से पहले वरुण चक्रवर्ती को तरजीह दी गई, जो पांचवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए। पावरप्ले खत्म होने के बाद सुंदर को अटैक पर लगाया गया। ऐसे में डेशकाटे का बयान विरोधाभास पैदा करता है। सुंदर ने केवल दो ओवर गेंदबाजी की और बिना विकेट लिए 17 रन दिए। मिलर 16वें ओवर में आउट हुए, लेकिन सुंदर से केवल सातवें और 14वें ओवर में गेंदबाजी करवाई गई। मध्य के ओवरों में अक्षर बेहतर इसमें कोई दो राय नहीं है कि पावरप्ले में बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ सुंदर का रिकॉर्ड अक्षर से बेहतर है। 57 पारियों में सुंदर ने 23 विकेट लिए हैं, जबकि अक्षर ने 62 पारियों में 14 विकेट लिए हैं, लेकिन रणनीति बनाते वक्त सिर्फ एक पहलू देखना भी भारत के लिए घातक साबित हुआ। मध्य के ओवरों में अक्षर ज्यादा प्रभावशाली है। अक्षर ने 79 पारियों में 63 विकेट झटके हैं, जबकि सुंदर के नाम 48 पारियों में 23 विकेट हैं। अगर अक्षर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होते, तो वे दक्षिण अफ्रीका की रनों की रफ्तार थाम सकते थे।

पद्म विभूषण अमृतलाल नागर के नाम से जाना जाएगा चौक चौराहा,महान साहित्यकार को श्रद्धांजलि

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चौक चौराहे का नाम पद्म विभूषण अमृतलाल नागर चौराहा कर दिया गया है। अमृतलाल नागर की पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत मेयर द्वारा अमृतलाल नागर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। उन्होंने कहा कि अमृतलाल नागर ने अपनी लेखनी से लखनऊ की संस्कृति और आम जनजीवन को जीवंत रूप दिया। उनके नाम पर चौराहे का नामकरण पूरे शहर के लिए गर्व का विषय है और यह आने वाली पीढ़ियों को उनकी साहित्यिक विरासत से परिचित कराएगा।इस अवसर पर चौक काली जी बाजार वार्ड में सड़क, नाली और पार्क से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी मेयर सुषमा खर्कवाल द्वारा किया गया। पहला कार्य मिर्जा मंडी मोहल्ले में एमबी हॉस्पिटल से भूपेंद्र नाथ मल्होत्रा के आवास तक सीसी रोड निर्माण का है।इस सड़क का निर्माण 9.85 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा।दूसरा कार्य शंकरी टोला मोहल्ले में चम्पू जी हनुमान मंदिर से अजय व अचल अग्रवाल के भवन होते हुए हिमांशु के आवास तक सीसी रोड व नाली निर्माण का है।

नागा चैतन्य से अलग होने के बाद टूट गई थीं सामंथा, प्यार से उठ गया था भरोसा कहा- राज ने मुझे बेहतर इंसान बनाया

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य 2021 में अलग हो गए थे। इसके बाद सामंथा ने किसी के ऊपर भरोसा करना बंद कर दिया था। लेकिन अब उन्होंने बताया कि कैसे राज निदिमोरु ने उन्हें बदल दिया है।

अपनी पर्सनल लाइफ के सबसे मुश्किल दौर से गुजरने के बाद अब सामंथा रुथ प्रभु को फिर से प्यार मिल गया है। एक्ट्रेस ने पिछले साल दिसंबर में फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की। अब सामंथा ने अपने हार्टब्रेक पर खुलकर बात की और बताया कैसे उन्होंने मूव ऑन किया।

मैं पूरी तरह से बिखर गई थी

हाल ही में वाग्यू इंडिया को दिए इंटरव्यू में सामंथा ने दिल खोलकर बताया कि कैसे एक हार्टब्रेक के बाद उन्होंने खुद को पूरी तरह बंद कर लिया था। लेकिन राज की दोस्ती और प्यार ने उन्हें फिर से प्यार पर भरोसा करना सिखाया। सामंथा ने कहा, जब मेरा सेपरेशन हुआ, तो मैं पूरी तरह से बिखर गई थी। मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी किसी पर दोबारा भरोसा कर पाऊंगी। लेकिन शुक्र है कि मैंने खुद को इतना कमजोर नहीं होने दिया और प्यार और दोस्ती पर फिर से भरोसा किया। आज मैं एक बेहतर इंसान हूं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मेरी जिंदगी में राज जैसे इंसान हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह बदलाव उनके करीबियों को भी महसूस हो रहा है। कुछ दिन पहले मैं अपनी एक पुरानी दोस्त से मिली। बाद में उसने मुझे वॉइस नोट भेजा और कहा कि काफी समय बाद ऐसा लग रहा है कि तुम्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं हो रही। अब मैं कुछ दिखावा नहीं कर रही हूं।

2021 में नागा चैतन्य से अलग हुई थी सामंथा

सामंथा और नागा चैतन्य की लव स्टोरी 2010 की फिल्म ये माया चेसावे के सेट से शुरू हुई थी, जो सामंथा की डेब्यू फिल्म भी थी। दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने 2017 में भव्य शादी की। लेकिन शादी के चार साल बाद, 2021 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। हालांकि, अलग होने की वजह कभी सार्वजनिक नहीं की गई। बाद में 2024 में नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से शादी कर ली।

सामंथा ने राज से शादी कर फैंस को चौंकाया

वहीं सामंथा और राज की पहली मुलाकात 2021 में वेब सीरीज द फैमिली मैन के दूसरे सीजन के दौरान मानी जाती है, जहां सामंथा ने राजी का किरदार निभाया था। हालांकि, 2024 में सिटाडेल पर साथ काम करने के बाद दोनों के डेटिंग की खबरें सामने आईं।

दोनों ने इस पर कभी खुलकर बात नहीं की, लेकिन फैंस ने उन्हें छुट्टियों और इवेंट्स में साथ देखा। 1 दिसंबर 2025 को सामंथा और राज ने कोयंबटूर में शादी कर ली। उन्होंने अपनी इंटिमेट वेडिंग की पोस्ट शेयर कर फैंस को चौंका दिया। उनकी शादी में केवल घर के लोग और करीबी दोस्त शामिल थे।

किसी की नकल करना मजाक नहीं, बल्कि सम्मान है..पर्सनैलिटी राइट्स विवाद पर खुलकर बोले सुनील ग्रोवर

बॉलीवुड इंडस्ट्री से कई सितारे इन दिनों अपने श्पर्सनैलिटी राइट्सश को लेकर कानूनी कदम उठा रहे हैं, ताकि उनकी फोटो, आवाज या अंदाज का बिना पूछे इस्तेमाल न किया जा सके। इसी बीच हाल ही में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सेलिब्रिटीज की नकल करने और श्पर्सनैलिटी राइट्सश के मामलों पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इंटरव्यू

में जब सुनील ग्रोवर से पूछा गया कि क्या उन्हें डर लगता है कि कभी उन पर भी केस हो सकता है? इस पर उन्होंने कहा कि जब तक उन पर कोई मामला नहीं आता, तब तक वह इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते। उनके लिए किसी की नकल करना मजाक उड़ाना नहीं, बल्कि एक तरह का सम्मान है। उनका मानना है कि जब कोई कलाकार किसी बड़े सितारे की नकल करता है, तो वह उनकी पॉपुलैरिटी का ही जश्न मनाता है। अगर कोई किसी की छवि का गलत इस्तेमाल करे, तो वह गलत है, लेकिन मंच पर या शो में किसी की स्टाइल को दोहराना, उन्हें सलाम करने जैसा है। सुनील ग्रोवर ने आगे कहा कि वो निजी जिंदगी को लेकर मजाक करने का समर्थन नहीं करते। हर चीज की एक मयार्दा होती है और किसी भी कलाकार की नकल करते समय गरिमा बनी रहनी चाहिए। बता दें, सुनील ग्रोवर कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो और द ग्रेट इंडियन कपिल शो का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने गुत्थी, डॉ. मशहूर गुलाटी और रिंकू भाभी जैसे किरदारों से दर्शकों का खूब दिल जीता है।

फिल्म ईथा की शूटिंग के बीच मां कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर पहुंचे रणदीप हुड्डा, तन-मन से पूजा-अर्चना करते आए नजर

एक्टर रणदीप हुड्डा इन दिनों श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म ईथा की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच बिजी शेड्यूल से समय निकालकर एक्टर कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर के दर्शन करने पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के लिए आशीर्वाद भी मांगा। इस दौरान की उनकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। 7वीं शताब्दी से जुड़ा यह प्राचीन मंदिर अपनी आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता के लिए जाना जाता है। यहां पहुंचकर रणदीप हुड्डा पूरे श्रद्धा भाव से भरे नजर आए और मां महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना की। एक फोटो में वह नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहते नजर आए। फैंस एक्टर की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। रणदीप के करीबी सूत्र ने बताया, यह समय रणदीप के जीवन में बहुत बदलाव लेकर आया है। वह एक महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर रहे हैं और साथ ही पिता बनने की तैयारी भी कर रहे हैं, जिसे लेकर वह बहुत भावुक और उत्साहित हैं। कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन करना उनके लिए बहुत ही खास और आध्यात्मिक अनुभव था।

बता दें, एक तरफ जहां रणदीप हुड्डा अपनी अगली फिल्म ईथा की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं उनकी पत्नी लिन लैशराम मार्च में एक्टर के पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं।

सोनू के टीटू की स्वीटी से कार्तिक आर्यन के आइकॉनिक डायलॉग्स, जो आज भी जेहन में बसे हैं

रिलीज के 8 साल बाद भी सोनू के टीटू की स्वीटी पॉप-कल्चर में अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए हुए है और इसका बड़ा श्रेय जाता है कार्तिक आर्यन के उन यादगार डायलॉग्स को, जो उन्होंने सोनू के किरदार में बोले थे। सोनू के रूप में कार्तिक आर्यन के तीखे, बेबाक और बेहद रिलेटेबल इन डायलॉग्स ने दोस्ती और प्यार की उस सच्चाई को सामने रखा, जिसे मेनस्ट्रीम बॉलीवुड ने बेहद कम साफगोई से दिखाया है। हालांकि लेखक द्वारा लिखे गए इन लाइनों को खास बनाया कार्तिक के बोलने के अंदाज ने। नॉर्मल बातचीत के अंदाज में बोले गए यह डायलॉग इस कदर अंदर से चुभने वाले हैं, इसे आप खुद सुनकर जान सकते हैं। सच कहें तो ये डायलॉग्स स्क्रिप्टेड कम और देर रात की लगातार मेहनत का सबूत हैं, जो कार्तिक ने इसे मुकम्मल बनाने में लगाए। गौरतलब है कि सोनू के टीटू की स्वीटी में जहाँ बाकी किरदार चुप रहते थे, वहीं सोनू असहज सच्चाइयाँ खुलकर कह देता था और यही वजह थी कि दर्शक उससे तुरंत जुड़ गए। तो आइए जानते हैं सोनू के टीटू की स्वीटीश के पाँच आइकॉनिक डायलॉग्स हैं, जो आज भी उतने ही कोट किए जाते हैं,

1. इस दुनिया के हर बीरुपलम को लगता है कि उसकी वाली अलग है, और तेरे मुँह से ये अलग है सुनकर मुझे यकीन हो गया है कि एल लगने वाले हैं। यह एक कड़वा-सच है, जो मीम बनकर हर जगह छा गया।

2. दो साल में, चौबीस महीनों में, 104 हफ्तों में, 102 हफ्ते रुलाया है इसने, एक हफ्ता पर साल की खुशी का एवरेज कौन-सी रिलेशनशिप में होता है ?इसमें सोनू की लॉजिक, निर्दयता के साथ बहस से परे है।

3. भाई प्यार में लोग अंधे हो जाते हैं, बीरुपलम नहीं हो जाते।

यह न सिर्फ सीधा, बल्कि बेधड़क और फिल्म के टोन को परिभाषित करता हुआ डायलॉग है।

4. मैं तुझे उतनी ही गहरी खाई में कूदने दे सकता हूँ, जितनी मेरे पास रस्सी हो।

इस डायलॉग में दोस्ती में छुपी चेतावनी है, जो कम शब्दों में बहुत कुछ कहती है।

5. तेरे खाने से लेकर कपड़ों से लेकर टूथपेस्ट तक, सब वो चुनती है। अच्छा-खासा कोलगेट चल रहा था बचपन से। हर्बल के चक्कर में दिन भर मुँह में मिट्टी-सी फीलिंग आती है।

इस डायलॉग में घरेलू झुंझलाहट है, जो पॉप-कल्चर गोल्ड बन गई।

दिलचस्प बात यह है कि आज भी ये डायलॉग्स मीम्स, रील्स और नॉस्टैल्जिक पोस्ट्स में बार-बार लौट आते हैं। आठ साल बाद भी सोनू के टीटू की स्वीटी के ये डायलॉग हमारे दिमाग में वैसे ही बसे हैं, और ये सिर्फ हमारा मनोरंजन नहीं करते, बल्कि हकीकत बयां करते हैं।

कलाकार से वह एक मिनट नहीं छीनना चाहिए, साउथ एक्ट्रेस ने फिल्मफेयर पर उठाया सवाल; न्यूकमर्स के हक की कही बात

साउथ अभिनेत्री निहारिका कोनिडेला ने नए कलाकारों के हित में आवाज उठाई है। एक्ट्रेस ने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ पर सवाल उठाया है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहाङ्ख

हाल ही में फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ की घोषणा की गई। जहां कई हस्तियों ने अवॉर्ड अपने नाम किया। लेकिन अब इस अवॉर्ड समारोह को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। तेलुगु अभिनेत्री निहारिका कोनिडेला ने अवॉर्ड समारोह में नवोदित कलाकारों को मंच पर बोलने के लिए पर्याप्त समय न दिए जाने पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात को उठाया कि बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड जीतने वाले कलाकारों को मंच पर बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया।

तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा के न्यूकमर्स के हक में उठाई आवाज

निहारिका कोनिडेला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने एक स्टेटमेंट जारी किया है, जिसमें एक कथित अवसर की चूक को उजागर किया।

खासकर तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के नए कलाकारों के लिए, जिन्हें मंच पर अवॉर्ड जीतने के बाद स्पीच देने का मौका नहीं दिया गया।

अपने इस स्टेटमेंट में एक्ट्रेस ने लिखा, फिल्मफेयर अवाड्र्स में भारतीय सिनेमा की प्रतिभा का जश्न मनाना हमेशा एक यादगार पल होता है। इतनी अद्भुत प्रतिभाओं को एक मंच पर देखना वास्तव में खास था। हालांकि, मुझे इस बात का अफसोस है कि तेलुगु, तमिल और कन्नड़ सिनेमा के नए कलाकारों को बोलने का मौका नहीं दिया गया।

नए कलाकारों के लिए यह सिर्फ एक मंच नहीं होता

अभिनेत्री ने नए कलाकारों के लिए ऐसे मंचों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अपने करियर की शुरूआत कर रहे एक कलाकार के लिए, वह मंच महज एक प्लेटफॉर्म नहीं होता, बल्कि उनके सपनों के साकार होने का प्रतीक होता है।

उनकी आवाज सुनकर हम सबको याद आ जाता कि सिनेमा से हमारा प्यार क्यों शुरू हुआ था। इतने बड़े शो में समय की पाबंदी होना लाजमी है, लेकिन पहली बार मंच पर खड़े किसी कलाकार से वह एक मिनट छीना नहीं जाना चाहिए। क्योंकि उनके लिए वह एक मिनट जीवन भर के लिए यादगार हो सकता है।

इस फिल्म में नजर आई थीं निहारिका

हाल ही में कोच्चि में आयोजित हुए फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ 2026 में निहारिका ने भी शिरकत की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो निहारिका को आखिरी बार तमिल फिल्म 'मद्रासकारन' में शेन निगम के साथ मुख्य भूमिका में देखा गया था।

सिनेमा गंज फिल्म्स की रोमांचक सस्पेंस-कोर्टरूम थ्रिलर की शूट 27 फरवरी से उत्तराखंड में होगी शुरू

सिनेमा गंज फिल्म्स ने शनिवार को मुंबई में आयोजित एक मीडिया इवेंट में अपनी आगामी हिंदी फीचर फिल्म का शीर्षक और लोगो आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। इस अवसर पर फिल्म की पूरी कास्ट और क्रिएटिव टीम मौजूद रही और मीडिया से बातचीत के दौरान फिल्म के विषय और विजन पर विस्तार से चर्चा की गई। फिल्म में मुख्य भूमिका में अक्षय ओबेरॉय नजर आएंगे, जबकि हेली दरूवाला फीमेल लीड के रूप में दिखाई देंगी। एंसेंबल कास्ट में कबीर दुहान सिंह, मनु ऋषि चड्ढा, हेमंत पांडेय, इंदिरा कृष्णा, संतोष शुक्ला, विक्रम शर्मा, अग्नि अघ्यारी, कुमार सौरभ, अश्वंत लोधी और अर्शदीप संधू महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सस्पेंस थ्रिलर और कोर्टरूम ड्रामा के मिश्रण के रूप में प्रस्तुत यह फिल्म समकालीन भारत में विवाह, कानून और सामाजिक धारणा के नाजुक संबंधों को दशार्ती है। कहानी एक आधुनिक शहरी दंपति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके रिश्ते में आई दरार एक जटिल कानूनी और नैतिक संघर्ष का रूप ले लेती है। कोर्टरूम, घर और संस्थागत परिवेश में आगे बढ़ती कहानी जवाबदेही, भावनात्मक हेरफेर, सामाजिक निर्णय और आरोपों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव जैसे विषयों को गहराई से छूती है। परतदार कहानी और बढ़ते तनाव के साथ यह फिल्म दर्शकों को बांधे रखने के साथ-साथ संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर विचार करने के लिए प्रेरित करेगी। फिल्म की मुख्य शूटिंग 27 फरवरी 2026 से शुरू होगी और इसका बड़ा हिस्सा उत्तराखंड के विभिन्न प्राकृतिक और शहरी लोकेशनों पर फिल्माया जाएगा। मेकर्स ने भावनात्मक गहराई और विजुअल स्केल दोनों को उभारने के लिए विस्तृत शूटिंग शेड्यूल तैयार किया है। निमार्ता कुलदीप भार्गव (तुषार) ने कहा लव लॉटरी यह दशार्ती है कि जिंदगी और न्याय कभी-कभी कितने अप्रत्याशित हो सकते हैं। हम एक ऐसी फिल्म बनाना चाहते थे जो रोमांचक होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से जुड़ाव पैदा करे और महत्वपूर्ण सवाल भी उठाए। अपने किरदार के बारे में अक्षय ओबेरॉय ने कहारू यह फिल्म भावनात्मक रूप से बेहद तीव्र और सामाजिक रूप से प्रासंगिक है। मेरा किरदार गहरे मनोवैज्ञानिक और नैतिक द्वंद्व से गुजरता है यह अब तक निभाए गए मेरे सबसे परतदार किरदारों में से एक है। सिनेमा गंज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के निमार्ता कुलदीप भार्गव तुषार, निर्देशक अरविन्द पांडे और लेखक अंकुर खत्री हैं। सिनेमैटोग्राफी नवीन वी मिश्रा ने संभाली है, जबकि संगीत वरुण मिश्रा ने दिया है। फिल्म के गीत निर्देशक अरविंद पांडेय की कलम से लिखे गए हैं।

भाकपा माले का जोरदार प्रदर्शन, बुलडोजर का विरोध किया

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाकपा (माले) के पदाधिकारी और सदस्य प्रदेशभर से चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचे। विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े। पुलिस उन्हें बैरिकेडिंग करके उन्हें रोक लिया। इस पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में तीखी नोकझोंक हुई। यूपी के 75 जिलों से कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हुए पदाधिकारी और सदस्यों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बुलडोजर, बिजली का निजीकरण, किसानों को फसलों का उचित दाम और आम आम जनता से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा। पार्टी के जिला अध्यक्ष रमेश सेंगर ने कहा कि लगातार बुलडोजर के जरिए पूरे प्रदेश में किसानों का और आम लोगों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान को ताख पर रखकर प्रदेशभर में बुलडोजर चल रहा है। पुलिसिया दमन के सहारे बुलडोजर चला कर आम आदमी के दुकानों को मकान को तोड़ा जा रहा है। आज हम लोग विधानसभा घेरकर इस गूंगी-बहरी सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने आए हैं। पुश्तैनी जमीन, पट्टा, वन भूमि पर आबादी और गरीबों की बदहाली का मुद्दा उठा रहे हैं। मनरेगा को बहाल करके 200 दिनों का काम मांग रहे हैं। मनरेगा में 600 प्रतिदिन मानदेय दिया जाए। महिला संगठन की प्रदेश सचिव कुसुम वर्मा ने कहा- हमने योगी आदित्यनाथ को चुना। उनको विधानसभा में बैठाया। आज हमारी ही नहीं सुनी जा रही है। हम उन्हें ज्ञापन देने इतनी दूर-दूर से आए हैं। यहां हमें पुलिस से बैरिकेडिंग करके क्यों रुकवा दिया गया। हमें सरकार को ज्ञापन देना है

उत्तर कोरिया की राजनीति में अटकलों पर लगा विराम; बेटी नहीं, किम को ही मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया की वर्कर्स पार्टी कांग्रेस में किम जोंग उन को फिर से जनरल सेक्रेटरी चुना गया। पार्टी ने उनके परमाणु कार्यक्रम और सैन्य विस्तार की सराहना की। अमेरिका और दक्षिण कोरिया से संबंध पहले से तनावपूर्ण हैं। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले वर्षों में किम परमाणु और सैन्य क्षमता को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की कांग्रेस में किम जोंग उन को दोबारा पार्टी का जनरल सेक्रेटरी चुन लिया गया है। इस फैसले के साथ ही हाल के महीनों में चल रही उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें उनके बाद उत्तराधिकार को लेकर चर्चा हो रही थी। माना जा रहा था कि इस बार उनकी बेटी को जनरल सेक्रेटरी चुना जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राज्य मीडिया के अनुसार हजारों प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से किम के नेतृत्व पर भरोसा जताया। पार्टी कांग्रेस

पिछले गुरुवार से चल रही थी और रविवार को चौथे दिन यह निर्णय लिया गया। पार्टी ने कहा कि किम के नेतृत्व में देश ने अपनी परमाणु क्षमता को मजबूत किया है और किसी भी बाहरी खतरे का सामना करने की ताकत हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में सैन्य और राजनीतिक लक्ष्यों को और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। परमाणु कार्यक्रम पर जोर विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है। रूस से बढ़ती नजदीकी हाल के वर्षों में रूस के साथ उत्तर कोरिया के रिश्ते मजबूत हुए हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान सैन्य सहयोग ने प्योंगयांग की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को और आक्रामक बनाया है। विश्लेषकों का कहना है कि किम पारंपरिक सेना को भी मजबूत करने और उसे परमाणु क्षमता के साथ जोड़ने की नई योजना पेश कर सकते हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया से दूरी 2019 में किम और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच शिखर वार्ता विफल होने के बाद से दोनों देशों के बीच कोई सार्थक वार्ता नहीं हुई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी उत्तर कोरिया ने परमाणु निरस्त्रीकरण की शर्त पर बातचीत से इनकार किया है। 2024 में किम ने दक्षिण कोरिया को स्थायी दुश्मन घोषित कर दिया था, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ गया। राज्य समाचार एजेंसी ने बताया कि कांग्रेस में पार्टी नियमों में संशोधन भी किया गया है, हालांकि विवरण साझा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि इन बदलावों के जरिए किम अपने सख्त रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। 2016 से हर पांच साल में कांग्रेस आयोजित की जा रही है और किम लगातार शीर्ष पद पर बने हुए हैं।

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। मैक्सिको में ड्रग कार्टेल सरगना एल मेंचो के मारे जाने के बाद बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने वहां रह

रहे भारतीयों को सतर्क रहने और फिलहाल घरों के अंदर रहने की सलाह दी है। आइए विस्तार से जानते हैं। मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है। एल मेंचो की मौत से भड़की हिंसा यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (उखठत्रह्र) का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया। अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी, अमेरिका से तनाव के बीच बिगड़े हालात

तेहरान। ईरान के तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालयों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्रों ने जनवरी में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। पहले हुए दमन में हजारों मौत और हजारों गिरफ्तारियां हुई थीं। यह विरोध अमेरिका से बढ़ते तनाव और परमाणु वार्ता के बीच हो रहा है। ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों

में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई। पहले भी हुआ था बड़ा दमन जनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। ईरानी सरकार ने कहा था कि 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनके लिए उसने इस्राइल और अमेरिका समर्थित तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उस समय प्रदर्शनकारियों ने सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के शासन को समाप्त करने की मांग की थी। सरकार की चेतावनी हालिया प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार ने औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सरकारी मीडिया ने परिसरों में तनाव की खबरें दी हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के एक अधिकारी हुसैन गोलदानसाज ने छात्रों को उग्र नारे और हिंसा से दूर रहने की चेतावनी दी। सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।अमेरिका से बढ़ता तनाव यह विरोध उस समय हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है। ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों की वार्ता स्विट्जरलैंड में फिर शुरू होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि समाधान संभव है, लेकिन ईरान यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं छोड़ेगा। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई गई है।

मेक्सिको में ड्रग माफिया एल मेंचो की मौत के बाद भड़की हिंसा; अमेरिका ने जारी की एडवाइजरी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मेक्सिको की सीमा से सटे राज्यों के लिए विशेष सलाह जारी की है। ये एडवाइजरी ड्रग माफिया एल मेंचो के मारे जाने के बाद जारी की गई है, जिसमें नागरिकों से घर मे रहने समेत कई निर्देश हैं। इसी के साथ अमेरिका में कई उड़ानें भी प्रभावित हुईं है। पढ़ें क्या है निर्देश क्यों जारी किया गया.. मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) के सरगना नेमेसियो 'एल मेंचो' ओसेगुएरा सर्वेंटेस के मारे जाने के बाद कई इलाकों में भारी हिंसा फैल गई है। इस हालात को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए नया एडवाइजरी जारी कर उन्हें सुरक्षित जगहों पर रहने यानी 'शेल्टर-इन-प्लेस' की सलाह दी है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हिंसा के कारण ग्वाडलहारा और प्यूर्टो

वालार्टा जैसे बड़े शहरों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। प्यूर्टो वालार्टा में टैक्सी और राइड-शेयर सेवाएं भी बंद कर दी गई, जबकि कई व्यवसायों ने अस्थायी रूप से काम रोक दिया है। सतर्कता, भीड़ से दूर रहने समेत कई निर्देश अमेरिका ने खास तौर पर जलिस्को, तमाउलिपास, मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन राज्यों में मौजूद अपने नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने, भीड़ से दूर रहने, गैर-जरूरी यात्रा न करने और स्थानीय प्रशासन के निदेशों का पालन करने को कहा है। सेना से मुठभेड़ में घायल हुआ था एल मेंचो दरअसल, मेक्सिको की सेना ने रविवार को जलिस्को राज्य के तापाल्पा इलाके में एक बड़े ऑपरेशन के दौरान एल मेंचो को घेर लिया था। इस दौरान मुठभेड़ में चार कार्टेल सदस्य मौके पर मारे गए, जबकि एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। इस ऑपरेशन में मेक्सिको के तीन सैनिक भी घायल हुए। अमेरिका ने एल मेंचो पर घोषित किया था ?125 करोड़ का इनाम एल मेंचो को अमेरिका लंबे समय से तलाश रहा था और उसकी गिरफ्तारी की जानकारी देने पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित था। उस पर अमेरिका में फेंटनिल जैसे खतरनाक ड्रग्स की तस्करी का बड़ा नेटवर्क चलाने का आरोप भी था। उसकी मौत के बाद कार्टेल से जुड़े संदिग्ध लोगों ने कई जगह बसों में आग लगा दी, सड़कों को ब्लॉक कर दिया और सुरक्षा बलों से झड़पें कीं, जिससे पूरे इलाके में तनाव फैल गया है।

अमेरिका-ईरान के बीच जेनेवा में गुरुवार को होगी परमाणु वार्ता तेहरान में सुलग रही विद्रोह की आग

दुबई। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर वार्ता गुरुवार को जेनेवा में शुरू होगी। ओमान ने इस बैठक की पुष्टि की है। वहीं, तेहरान में नए विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जो ईरान में राजनीतिक तनाव और असंतोष को दिखा रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का अगला दौर गुरुवार को जेनेवा में होगा। ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वार्ता को अंतिम समझौते की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है। ईरान के वरिष्ठ कूटनीतिज्ञ अब्बास अराघची ने भी उम्मीद जताई कि गुरुवार को अमेरिकी प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ से मुलाकात होगी और राजनयिक समाधान की अच्छी संभावना बनी हुई है। ईरान में फिर सुलग रही है विद्रोह की आग वार्ता की पुष्टि के तुरंत बाद ईरान में नए अंतर-संबंधित विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। तहरीर

विश्वविद्यालय और मशहद में छात्रों ने जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों की याद में प्रदर्शन किया। ईरान के राज्य समाचार एजेंसी ने पांच विश्वविद्यालयों में विरोध की जानकारी दी। पिछले हफ्ते 40-दिवसीय श्रद्धांजलि समारोहों के दौरान सुरक्षा बलों ने कई जगह प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। मानवाधिकार संगठन के अनुसार, पिछले विरोध प्रदर्शन में कम से कम 7,015 लोग मारे गए, जिनमें 214 सरकारी बल शामिल हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के शासन के तहत यह अब तक का सबसे घातक दमन माना जा रहा है। सैन्य स्ट्राइक पर विचार कर रहे ट्रंप? इस बीच, अमेरिका ईरान के पास अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार ये संकेत दिया है कि वह सीमित सैन्य स्ट्राइक पर विचार कर रहे हैं। कई बार यह जानकारी भी सामने आई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के विकल्पों के बारे में जानकारी दी जा रही है। अमेरिका और यूरोपीय साथियों ने ईरान के न्यूक्लियर इरादों पर चिंता जताई है। अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों ने मंगलवार को स्विट्जरलैंड में मुलाकात की, जिसमें ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को सीमित करने के मकसद से बातचीत में हुए विकास की रिपोर्ट दी गई। फिर भी, ट्रंप ने बाद में चेतावनी दी कि दुनिया को लगभग दस दिनों में पता चल जाएगा कि कोई डील होगी या मिलिट्री एक्शन होगा। उन्होंने पहले भी ईरानी प्रदर्शनकारियों के लिए अपना समर्थन जताया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई चाहते हैं कि प्रतिबंधों को हटाने के लिए एक तार्किक और पारस्परिक हितों पर आधारित रोडमैप तैयार किया जाए। अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों को एक व्यावहारिक समयसीमा पर सहमत होना होगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में ईरान अपना ड्राफ्ट काउंटर-प्रपोजल तैयार कर लेगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमित सैन्य कार्रवाई पर विचार करने की बात कहकर तनाव को और बढ़ा दिया है। अमेरिका-ईरान वार्ता बेनतीजा इससे पहले 18 फरवरी को ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत हुई थी। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है। जिनेवा में ईरान-अमेरिका की परोक्ष वार्ता 3 घंटे चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। ईरानी यूरेनियम संवर्धन को लेकर विवाद अमेरिका ईरान के भीतर यूरेनियम संवर्धन को परमाणु हथियारों की दिशा में संभावित कदम मानता है, जबकि ईरान लगातार इससे इनकार करता रहा है और अपने शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन के अधिकार को मान्यता देने की मांग करता है। तेहरान ने जीरो एनरिचमेंट की अमेरिकी मांग को सिरे से खारिज कर दिया है, जो पिछली वाताओं में भी सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा रहा है।

हबल ने खोजी 99% डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी, रहस्यमयी आकाशगंगाओं में से एक सीडीजी-2 का लगाया पता

अमेरिका। नासा के अनुसार आमतौर पर अधिकतर आकाशगंगाएं अरबों तारों की चमक से दूर-दूर तक दिखाई देती हैं, लेकिन कुछ विशेष आकाशगंगाएं इतनी फीकी होती हैं कि उन्हें पहचानना बेहद कठिन हो जाता है। इन्हें लो-सरफेस-ब्राइटनेस गैलेक्सी कहा जाता है। इनमें तारों की संख्या बहुत कम होती है। नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से खगोलविदों ने अब तक की सबसे रहस्यमयी आकाशगंगाओं में से एक लगभग पूरी तरह डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी सीडीजी-2 का पता लगाया है। पृथ्वी से करीब 300 मिलियन प्रकाश-वर्ष दूर पर्सियस गैलेक्सी क्लस्टर में स्थित यह बेहद धुंधली आकाशगंगा सामान्य तारों से नहीं, बल्कि चार सघन ग्लोब्युलर क्लस्टर्स के जरिए पहचानी गई। शुरूआती आकलन बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल द्रव्यमान का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डार्क मैटर है। इस खोज का विवरण द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित हुआ है। नासा के अनुसार आमतौर पर अधिकतर आकाशगंगाएं अरबों तारों की चमक से दूर-दूर तक दिखाई देती हैं, लेकिन कुछ विशेष आकाशगंगाएं इतनी फीकी होती हैं कि उन्हें पहचानना बेहद कठिन हो जाता है। इन्हें लो-सरफेस-ब्राइटनेस गैलेक्सी कहा जाता है। इनमें तारों की संख्या बहुत कम होती है और इनका अधिकांश द्रव्यमान डार्क मैटर से बना होता है, ऐसा पदार्थ जो न प्रकाश उत्सर्जित करता है, न परावर्तित करता है और न ही अवशोषित करता है। सीडीजी-2 इसी दुर्लभ श्रेणी की एक आकाशगंगा है और इसे अब तक पहचानी गई सबसे अधिक डार्क-मैटर-प्रधान आकाशगंगाओं में गिना जा रहा है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो के डेविड ली और उनकी टीम ने पारंपरिक तरीके छोड़कर उन्नत सांख्यिकीय विश्लेषण का सहारा लिया। उन्होंने कमजोर तारों की रोशनी खोजने के बजाय ग्लोब्युलर क्लस्टर्स के सघन समूह तलाशे। ग्लोब्युलर क्लस्टर्स गोलाकार, अत्यंत घने तारामंडल होते हैं, जो आमतौर पर आकाशगंगाओं की परिक्रमा करते हैं। ये क्लस्टर्स संकेतक की तरह काम कर सकते हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि उनके आसपास कोई बेहद फीकी आकाशगंगा छिपी हो सकती है।इस पद्धति से टीम ने पहले से पुष्टि की जा चुकी 10 लो-सरफेस-ब्राइटनेस आकाशगंगाओं के साथ-साथ दो नए संभावित डार्क गैलेक्सी उम्मीदवारों की पहचान की। 60 लाख सूर्य जितनी चमक प्रारंभिक माप बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल चमक लगभग 60 लाख सूर्य जैसे तारों के बराबर है जो किसी सामान्य आकाशगंगा की तुलना में बेहद कम है। हैरानी की बात यह है कि इन चार ग्लोब्युलर क्लस्टर्स से ही आकाशगंगा की कुल दृश्य रोशनी का करीब 16 प्रतिशत हिस्सा आता है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि सीडीजी-2 के कुल द्रव्यमान जिसमें दृश्य पदार्थ और डार्क मैटर दोनों शामिल हैं का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डार्क मैटर से बना प्रतीत होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पर्सियस जैसे घने गैलेक्सी क्लस्टर में अन्य आकाशगंगाओं के साथ हुए गुरुत्वाकर्षणीय संपर्कों के कारण सीडीजी-2 से वह हाइड्रोजन गैस छिन गई होगी, जो सामान्यतः तारों के निर्माण के लिए आवश्यक होती है। ग्लोब्युलर क्लस्टर्स अत्यंत सघन और गुरुत्वाकर्षण से मजबूती से बंधे होते हैं, इसलिए वे ऐसे ज्वारीय खिंचावों को बेहतर झेल पाते हैं यही वजह है कि वे सीडीजी-2 जैसी घोस्ट गैलेक्सी के भरोसेमंद संकेतक साबित हुए।

पीएम बनते ही तारिक रहमान का सेना में बड़ा फेरबदल

ढाका। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार रविवार (22 फरवरी) को बांग्लादेश सेना के शीर्ष स्तर पर बड़ा फेरबदल हुआ, जिसमें एक नए चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) की नियुक्ति भी शामिल है। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के साथ-साथ कई बड़े फैसलों पर मुहर लगाई जा रही है। इस कड़ी में अब सेना के शीर्ष स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सेना मुख्यालय की ओर से जारी आदेश में चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) समेत कई अहम पदों पर बदलाव किए गए हैं। यह फेरबदल प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार के 17 फरवरी को सत्ता संभालने के कुछ ही दिनों बाद किया गया है। 'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार इन तबादलों का असर रणनीतिक कमानों और देश की प्रमुख सैन्य खुफिया एजेंसी पर भी पड़ा है। लेफ्टिनेंट जनरल एम मैनूर रहमान को नए उत्ऱ्ह नियुक्त दैनिक समाचार पत्र प्रोथोम आलो ने रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एम मैनुर रहमान को सीजीएस के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि वे पहले सेना प्रशिक्षण और सिद्धांत कमान (एआरटीडीओसी) के प्रमुख यानी जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में कार्यरत थे। फेरबदल के अनुसार प्रधान स्टाफ अधिकारी (पीएसओ), लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कामरुल हसन के स्थान पर हाल ही में पदोन्नत लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को नियुक्त किया गया है। हसन को विदेश में राजदूत के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए विदेश मंत्रालय से जोड़ा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को सेना खुफिया महानिदेशालय (डीजीएफआई) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वर्तमान में सेना मुख्यालय में ब्रिगेडियर जनरल के पद पर कार्यरत, मेजर जनरल के पद पर पदोन्नति होने पर वे यह पदभार ग्रहण करेंगे। हाफिजुर रहमान को स्वदेश बुलाकर नई जिम्मेदारी भारत में बांग्लादेश उच्चायोग के रक्षा सलाहकार, ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद हाफिजुर रहमान को मेजर जनरल के उच्च पद और दर्जे के साथ एक पैदल सेना डिवीजन के जीओसी के रूप में कार्यभार संभालने के लिए वापस बुलाया गया। बता दें कि बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी को हुए आम चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया।

डेढ़ करोड़ डॉलर का इनामी, अमेरिका का मोस्ट वांटेड; जिसकी मौत से जल उठा मैक्सिको

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के सबसे खूंखार और ताकतवर ड्रग कार्टेल की मौत के बाद अब मैक्सिको में हिंसा का दौर शुरू हो सकता है। कार्टेल के सदस्य आगजनी और गोलीबारी कर रहे हैं, जिसके चलते मैक्सिको के कई शहरों में स्कूल कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। मैक्सिको की सेना ने रविवार को देश के सबसे ताकतवर ड्रग कार्टेल सरगना और अमेरिका के सबसे वांछित भगोड़ों में शामिल नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस को मार गिराया। जिसे एल मेंचो के नाम से जाना जाता है। यह कार्रवाई मैक्सिको सरकार के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है, हालांकि इसके तुरंत बाद देशभर में हिंसा शुरू हो गई है और ड्रग कार्टेल (गैंग) के सदस्य अलग-अलग जगहों पर आगजनी और गोलीबारी कर रहे हैं। कई रिटेल स्टोर, सार्वजनिक वाहनों और इमारतों में कार्टेल के लोगों ने आग लगा दी है। कई इलाकों में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं। नेमेसियो ओसेगुएला केरवेंटेस, जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (जेएनजीसी) नामक गैंग का सरगना था। यह गैंग इस वक्त मैक्सिको का सबसे बड़ा, तेजी से बढ़ता और सबसे खतरनाक गैंग है। कौन था एल मेंचो? नेमेसियो ओसेगुएला (59 वर्षीय) पश्चिमी मैक्सिको के मिचोआकान प्रांत का निवासी था और बीते तीन दशकों से संगठित अपराध का बड़ा नाम था। साल 1994 में अमेरिका में हेरोइन तस्करी के आरोप में उसे तीन साल की सजा हुई थी। जेल से रिहा होकर वह फिर मैक्सिको लौटा और उसने ड्रग तस्करी की दुनिया में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत की। करीब 2009 में उसने जेल्सिको न्यू जेनरेशन ड्रग कार्टेल की स्थापना की। यह गैंग अमेरिका तक कोकीन, मेथामफेटामाइन, फेंटेनिल और अवैध प्रवासियों की तस्करी में शामिल रहा। जेएनजीसी ने ड्रोन और आईईडी जैसे हथियारों के इस्तेमाल से हिंसा के नए तरीके अपनाए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।